केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया
R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 122 सोमवार 25 नवम्बर 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

सहायक अध्यापिका निलंबित

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिला समन्यवयक से अभद्रता की घटना सामने आने के बाद से बीएसए अनूप कुमार तिवारी ने सख्त रूख अख्तियार कर लिया है। शुक्रवार को प्राथमिक विद्यालय कल्याणपुर के प्रधानाध्यापक अखिलेश कुमार मिश्र को निलंबित करने के बाद शनिवार को यहीं तैनात सहायक अध्यापिका संध्या सिंह को भी लापरवाही बरतने के आरोप में निलंबित कर दिया है। बीएसए ने बताया कि शुक्रवार को हुए निरीक्षण में यह सामने आया कि स्कूल में शिक्षण कार्य का माहौल अत्यन्त खराब है। यहां अध्ययनरत बच्चों को अक्षर ज्ञान तक नहीं है। शुक्रवार को प्राथमिक विद्यालय कल्याणपुर की वीडियोग्राफी करते हुए निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में पाया गया कि किसी भी शिक्षक का कोई पाठ्यक्रम नहीं है। प्रधानाध्यापक की उदासीनता के कारण विद्यालय में पढ़ाई का कार्य बेहद खराब है। विभिन्न एप सहायक अध्यापिका संध्या यादच ने डाउनलोड तक नहीं किया है। स्कूल के बच्चों को अक्षर ज्ञान तक नहीं है। बीएसए सहायक अध्यापिका संध्या यादव को निलंबित करते हुए प्राथमिक विद्यालय मीतासोती से संबंद्ध कर विभागीय जांच बैठा दी गई है।

बेटे को बचाने नदी में उतरे पिता की डूबने से मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बस्ती के परशुरामपुर थानाक्षेत्र के मनोरमा नदी के कुसमौर घाट पर डूबते हुए बेटे को बचाने नदी में उतरे चरवाहे रामानंद की डूबकर मौत हो गई। परशुरामपुर पुलिस ने शव का पंचनामा कराकर पीएम के लिए भेज दिया है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार अपनी भेड़ का एक मेमना डूबते देखकर भेड़ पालक रामानंद का बेटा उसे बचाने के लिए नदी में उतर गया। इस दौरान वह खुद को संभाल नहीं सका और डूबने लगा। बेटे को बचाने के लिए रामानंद (40) पुत्र शिवबालक, निवासी भवनापुर नदी में उतर गया। बेटा व मेमना तो बच गया, लेकिन रामानंद का पैर फिसलने से वह गहरे पानी में चला गया। पिता को डूबता देखकर बेटे ने शोर मचाना शुरू किया। शोर सुनकर ग्रामीण वहां पहुंचे और रामानंद को नदी से निकाला, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। रामानंद भेड़ व बकरी पालन का कारोबार करता था। रोजाना की तरह वह शनिवार को नदी के किनारे जानवरों को चराने छोटे बेटे के साथ गया था। रामानंद के दो बेटे और एक बेटी है।

लगाये जा रहे हैं स्मार्ट मीटर

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। प्रीपेड स्मार्ट मीटर वाले कनेक्शन में से पांच प्रतिशत पर अनिवार्य रूप से चेक मीटर लगाए जाएंगे। चेक मीटर और स्मार्ट मीटर की रीडिंग का मिलान कराकर स्मार्ट मीटर की एफीसियंसी की जांच की जाएगी। मीटर में गड़बड़ी पाए जाने पर उन्हें बदला जाएगा। पॉवर कॉरपोरेशन की ओर से यह कदम उपभोक्ताओं का भरोसा जीतने के लिए उठाया गया है। अधिशासी अभियंता मीटर परीक्षण (टेस्ट) श्रीप्रकाश ने बताया कि जितने स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं, उनमें से पांच प्रतिशत पर चेक मीटर लगाने का काम एजेंसी को करना है। कॉरपोरेशन की ओर से जो गाइड लाइन जारी की गई है, उसका पालन कराया जाएगा। मीटर की गुणवत्ता को लेकर उपभोक्ताओं की ओर से सवाल खड़े किए जा रहे हैं। उपभोक्ता परिषद लखनऊ की ओर से भी चेक मीटर लगवाए जाने की गाइड लाइन का पालन कराए जाने का मुद्दा समय–समय पर उठाया था।

संभल में इंटरनेट भी बंद, जामा मस्जिद सर्वे के दौरान पथराव–फायरिंग में तीन की मौत

संभल (आभा)। संभल में बवाल, पथराव, आगजनी और फायरिंग में तीन युवकों की मौत के बाद शहर में इंटरनेट भी बंद कर दिया गया है। कोर्ट के आदेश पर रविवार को कोर्ट कमिश्नर की टीम शाही जामा मस्जिद में दूसरी बार सर्वे को पहुंची तो बवाल हो गया। उपद्रवियों ने पहले जामा मस्जिद के बाहर और फिर नखासा इलाके में पुलिस पर जमकर पथराव किया। उन्होंने दोनों स्थानों पर कम से कम एक दर्जन वाहनों को आग लगा दी और फायरिंग की। इस दौरान एसपी के पीआरओ, सीओ और कोतवाल समेत दर्जनभर पुलिसकर्मी घायल हो गए।

उधर, बार–बार समझाने के बाद भी भीड़ के शांत न होने पर पुलिस ने जवाबी कार्रवाई करते हुए पहले आंसू गैस के गोले छोड़े और फिर लाठीचार्ज कर दिया। कई राउंड हवाई फायरिंग भी की। करीब ढाई घंटे चली हिंसा के दौरान भीड़ में शामिल तीन लोगों की मौत हो गई है। इसके बाद अफवाहों को रोकने

के लिए संभल शहर में इंटरनेट बंद करने का फैसला किया गया। पुलिस ने दो महिलाओं 15 लोगों को हिरासत में लिया है। उधर, जामा मस्जिद के बाहर बवाल के दौरान ही पुलिस ने भारी सुरक्षा के बीच सर्वे टीम को जैसे–तैसे सुरक्षित बाहर निकाला।

रविवार को कोर्ट कमिश्नर रमेश राघव के साथ वादी अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन, डीएम डा. राजेंद्र पैंसिया, एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई पुलिस बल के साथ दोबारा सर्वे करने शाही जामा मस्जिद पहुंचे थे। करीब 7.30 बजे सर्वे शुरू हुआ। सर्वे के दौरान मस्जिद के पीछे गलियों व सड़कों पर मुस्लिम समाज के लोग जुटने लगे। माहौल को देखते हुए पहले एसपी केके विश्नोई और बाद में डीएम डा. पैंसिया मस्जिद से निकलकर पुलिस बल के साथ लोगों को समझाते रहे लेकिन लोग नहीं माने। इस बीच मस्जिद के पीछे गली में उग्र भीड़ को काबू में करने के लिए जब पुलिस ने पहली लाठी भांजी तो ये हजारों की भीड़ के लिए चिंगारी साबित हुआ। गुस्साए लोगों ने पुलिस पर पथराव शुरू कर दिया। पहले से पुलिस वाले जान बचाकर भागे लेकिन फिर पलटवार करते हुए लाठी चार्ज कर दिया। इसके बाद तो भीड़ और उग्र हो गई और दोनों ओर से पुलिस को घेरकर पथराव करने लगी। उन्होंने कई बार पुलिस को पीछे हटने पर मजबूर किया। मौके का फायदा उठाकर उग्र भीड़ ने मस्जिद के पीछे खड़ी दो कार, चार बाइकों में एक–एक कर आग लगा दी। इसके साथ ही आधा दर्जन से अधिक प्रशासन, स्थानीय लोगों के वाहनों को तोड़कर क्षतिग्रस्त कर दिया। हालात बिगड़ता देख मस्जिद से उपद्रवियों को गोली मारने का आदेश देना पड़ा। इसके बाद उपद्रवियों ने भी फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी फायरिंग से भीड़ तितर–बितर हो गई। कार्रवाई के दौरान एक उपद्रवी की मौत हो गई। तब तक डीआईजी मुनिराज जी भी पहुंच गए। जिसके बाद डीआईजी, डीएम व एसपी ने गलियों में सर्च ऑपरेशन शुरू किया। एक–एक कर 15 उपद्रवियों को पकड़कर कोतवाली भेजा।

महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री को लेकर सियासी हलचल तेज

मुम्बई। (आभा)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में शानदार जीत दर्ज करने के बाद महायुति गठबंधन के भीतर मुख्यमंत्री को लेकर चर्चा गरम है। अभी तक यह साफ नहीं है कि राज्य में सीएम की कुर्सी शिवसेना, भाजपा या एनसीपी नेता को मिलेगी। इस बीच, एनसीपी लीडर छगन भुजबल के बयान ने हलचल फिर बढ़ा दी है। उन्होंने कहा कि अजित पवार भी सीएम बन सकते हैं। भुजबल ने कहा, श्तीनों दल एक साथ बैठेंगे और तय किया जाएगा कि हमारा नेता कौन होगा। हम

तीनों दल एकसाथ बैठेंगे और तय करेंगे कि मुख्यमंत्री कौन बनेगा। अजित पवार भी सीएम बन सकते हैं। उनका स्ट्राइक रेट बहुत अच्छा है।

छगन भुजबल ने कहा कि आज हमारे सभी विधायक बैठक में आए। कई विधान परिषद सदस्य भी आए थे। इस दौरान सभी ने तय किया कि विधानसभा में हमारा नेतृत्व अजित पवार करेंगे, लेकिन सीएम कौन होगा, ये हम तीनों दल मिलकर तय करेंगे। वहीं, एनसीपी के पुणे अध्यक्ष दीपक मानकर ने भी अजित पवार के समर्थन में बयान दिया। उन्होंने कहा, श्छब्ब के कार्यकर्ता चाहते हैं कि अगर दादा (अजित पवार) होंगे, तो महाराष्ट्र को एक अच्छी दिशा मिलेगी। दादा में काम करने की क्षमता है। हम जानते हैं कि पिछले 2.5 वर्षों में उन्होंने महाराष्ट्र में उपमुख्यमंत्री के रूप में किस तरह का काम किया।

मीरापुर की जीत पर रालोद में खुशी की लहर

मण्डल अध्यक्ष राधेश्याम का किया अभिन्नदन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। उप चुनाव में मीरापुर से राष्ट्रीय लोकदल की प्रत्याशी श्रीमती मिथलेश पाल की जीत से पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं में प्रसन्नता का माहौल है। रविवार को रालोद के लोहिया मार्केट स्थित कार्यालय पर क्षेत्रीय अध्यक्ष विवेक चौधरी के संयोजन में एक दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशियों को साझा किया गया। इसी कड़ी में बस्ती मण्डल के नव नियुक्त मण्डल अध्यक्ष राधेश्याम चौधरी को रालोद नेताओं ने फूल माला पहनाकर अभिनन्दन किया। कहा कि निश्चित रूप से वे पार्टी को सांगठनिक रूप में मजबूत करने की दिशा में अपना योगदान देंगे।

रालोद के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य ओम प्रकाश चौधरी ने कहा कि मीरापुर की इस जीत से उत्साह बढा है ।

क्षेत्रीय अध्यक्ष विवेक चौधरी ने कहा कि श्रीमती मिथलेश पाल ने 29 हजार से अधिक मतों से सपा प्रत्याशी शब्बुल राणा को करारी शिकस्त दिया। यह जीत पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयन्त चौधरी, प्रदेश

अध्यक्ष रामाशीष राय के साथ ही समर्पित कार्यकर्ताओं की देन है। हमें निरन्तर जनहित में अपनी भूमिका को और तेज करना होगा। कहा कि पार्टी किसानों, नौजवानों के साथ ही जनहित के सवालों को लेकर लगातार संघर्षरत है।

राष्ट्रीय लोकदल की प्रत्याशी श्रीमती मिथलेश पाल की जीत और नव नियुक्त मण्डल अध्यक्ष राधेश्याम चौधरी का अभिनन्दन करने वालों में मुख्य रूप से प्रदेश सचिव महिपाल पटेल, जिलाध्यक्ष सर्वेश वर्मा, अरूण चौधरी, रमेश चन्द्र गिरी, इरफान अहमद, अभय पटेल, वसीम अहमद, शिव कुमार गौतम, अफी अहमद, सुनील कुमार सत्या, सुभाष कन्नौजिया, नागेन्द्र कुमार के साथ ही रालोद के अनेक पदाधिकारी शामिल रहे।

पीएम मोदी ने 'मन की बात' में प्लॉगर्स ग्रुप के कार्यों की सराहना किया

कानपुर (आभा)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'मन की बात' के 116वें एपिसोड में उत्तर प्रदेश के कानपुर व लखनऊ की चर्चा की। यहां के युवाओं की तारीफ करते हुए प्रधानमंत्री ने इनके कार्यों को प्रेरक बताया। पीएम मोदी ने कहा कि साफ–सफाई को लेकर कानपुर में अच्छी पहल हो रही है। यहां मॉर्निंग वॉक पर निकलने वाले लोग गंगा घाट के किनारे फैले प्लास्टिक व अन्य कचरों को उठा लेते हैं। यह समूह कानपुर प्लॉगर्स ग्रुप के नाम से कार्य करता है। इस मुहिम की शुरुआत भी कुछ युवाओं ने की थी। इस ग्रुप के लोग कचरे से बने ट्री गार्ड से पौधों की भी सुरक्षा करते हैं। गौरतलब है कि योगी सरकार के निर्देशन में सभी नगर निगम भी स्वच्छता के अनेक कार्य कर रहे हैं। कानपुर में भी इस संस्था का नगर निगम से एमओयू है।

कानपुर प्लॉगर्स ग्रुप की संस्थापक अध्यक्ष डॉ. संजीवनी शर्मा हैं। पेशे से दंत चिकित्सक डॉ. संजीवनी ने बताया कि 6 मार्च 2021 (शनिवार) से सफाई का यह अभियान प्रारंभ किया गया था। इसके बाद 183 सप्ताह से गंगा घाट पर हर रविवार साफ–सफाई की जाती है। कोरोना काल के दौरान ही इसे रोका गया था। आमजन को इससे जोड़ने के लिए वॉट्सऐप ग्रुप बनाया गया है। साथ ही सोशल मीडिया के अन्य प्लेटफॉर्म का सहारा लिया। वॉट्सऐप ग्रुप में 850 लोग हैं। इनके पास एक बार में मैसेज चला जाता है कि किस रविवार को कहां पर सफाई होगी। सूचना पर 40 से लेकर 200 लोग एकत्र हो जाते हैं। इससे गंगा तट की सफाई होती है। शर्मा के मुताबिक इस कार्य के पीछे भावना थी कि दूसरों का कचरा उठाने वाले कभी भी खुद कचरा नहीं कर सकते।

कोई उपचुनाव नहीं लड़ेगी बसपा –मायावती

लखनऊ (आभा)। यूपी में नौ विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद बसपा सुप्रीमो मायावती ने अब कोई भी उपचुनाव नहीं लड़ने का एलान किया है।

उन्होंने कहा कि जब तक चुनाव आयोग फर्जी मतदान रोकने के लिए कोई सख्त निर्णय नहीं उठाता है तब तक बसपा किसी भी उपचुनाव में भाग नहीं लेगी। उन्होंने कहा कि पहले बैलेट से फर्जी मतदान होते थे अब यह ईवीएम से भी होने लगा है। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया है कि सिर्फ उपचुनाव ही नहीं लड़ेंगे। बाकी चुनाव में भाग लेंगे। वहीं, बसपा सुप्रीमो मायावती के इस बयान पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि अब यूपी में उपचुनाव होने भी नहीं हैं। हालांकि, अयोध्या की मिल्कीपुर सीट पर कोर्ट का फैसला होने के बाद उपचुनाव हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि फर्जी मतदान लोकतंत्र के लिए चिंता का विषय है। पहले लोकसभा, फिर राज्यों के विधानसभा और अब उपचुनाव में भी ये काम खुलकर किया जा रहा है। महाराष्ट्र के विधानसभा चुनाव में भी इसे लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं जो कि देश के लिए खतरे की घंटी है। ऐसी स्थिति में हमारी पार्टी ने निर्णय लिया है कि जब तक इसे रोकने के लिए चुनाव आयोग कोई सख्त निर्णय नहीं लेता है तब तक बसपा किसी उपचुनाव में भाग नहीं लेगी।

दहेज के लिये 4 बच्चों के साथ घर से निकाल देने का आरोपः पीड़िता ने एसपी से लगाया न्याय की गुहार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। वाल्टरगंज थाना क्षेत्र के गन्धरिया फैज निवासिनी रेशमा पत्नी गुफरान ने पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर न्याय की गुहार लगाया है। एसपी को दिये पत्र में रेशमा ने कहा है कि दहेज उत्पीड़न के साथ ही पति द्वारा उसके हत्या करने की रची साजिश रची जा रही है। उसने दोषी के विरूद्ध मुकदमा पंजीकृत कराकर अपने और बच्चों के जान माल के रक्षा की गुहार लगाया है।

एसपी को दिये पत्र में रेशमा ने कहा है कि उसकी शादी वर्ष 2010 में गुफरान पुत्र छोटक ग्राम गन्धरिया फैज थाना वाल्टरगंज के साथ मुस्लिम रीति रिवाज के साथ सम्पन्न हुई थी, माता पिता ने अपने हैसियत के अनुसार लगभग दो लाख रूपये का सामान व एक लाख रूपये नकद दिया था तभी से और दहेज की मांग करते हुए पति गुफरान व जेठानी रजिया पत्नी अब्दुल व ननद आमिना पत्नी स्व० अब्बास भट्टी–2 गालियां देते हुए मारते पीटते थे व जान से मारने की धमकी देते थे एंव प्रार्थिनी से वेश्यावृत कराने

के लिए दबाव बनाते थे, वर्ष 2021–2022 में गांव के कुछ लोगो ने बताया कि पति गुफरान दूसरी लडकी लेकर वाहर भाग गया है उसी समय जेठानी ने हम प्रार्थिनी को मार पीटकर ग्राम गन्धरिया फैज घर से निकाल दिया है किसी तरह से वह अपनी जान बचाकर अपने मायके ग्राम सुमई रौजा, थाना वाल्टरगंज, जिला बस्ती में आकर मेहनत मजदूरी करके गुजर–बसर कर रही है उसके पास चार बच्चे है जिनका खाना खर्चा इत्यादि पति गुफरान नही दे रहे है, प्रार्थिनी ने कई बार थाना वाल्टरगंज में प्रार्थना पत्र दिया था जिस पर थाना वाल्टरगंज व महिला थाना से सुलह समझौता कराया गया था, परन्तु हम पीड़िता को न्याय नहीं मिला।

सड़क हादसे मे कृपालु महाराज की 1 बेटी की मौत 2 घायल

प्रतापगढ़ (आभा)। प्रतापगढ़ में कुंडा के भक्ति धाम मनगढ़ के संस्थापक और मथुरा के प्रेम मंदिर वाले जगदगुरु कृपालु महाराज की तीनों बेटियों के साथ बड़ा हादसा हुआ है। दिल्ली जाते समय यमुना एक्सप्रेसवे पर उनकी कार पर कैंटर ओवरटेक करते समय पलट गया। इससे कार में सवार जगदगुरु की सबसे बड़ी बेटी विशाखा त्रिपाठी की मौत हो गई। दोनों अन्य बेटियां कृष्णा और श्यामा घायल हैं। इसके चार अन्य लोग भी घायल हैं। सभी को दिल्ली के अपोलो हॉस्पिटल ले जाया गया है। हादसे की जानकारी कुंडा के मनगढ़ आश्रम पहुंचने पर शोक की लहर दौड़ गई। मनगढ़ में तीन दिन का शोक घोषित कर दिया गया है। विशाखा का पार्थिव शरीर आज शाम 4 बजे वृंदावन के प्रेममंदिर लाया जाएगा। इसके बाद अनुयायियों के दर्शनार्थ रखा जाएगा। सोमवार को यमुना तट पर अंतिम संस्कार होगा। कृपालु महाराज का निधन भी हादसे में हुआ था। कुंडा के भक्ति धाम मनगढ़ के संस्थापक जगदगुरु कृपालु महाराज की तीनों बेटियां भक्ति धाम कृपालु परिषद की अध्यक्ष 72 वर्षीय डॉ. विशाखा त्रिपाठी, 68 वर्षीय डॉ. कृष्णा त्रिपाठी और 66 वर्षीय डॉ. श्यामा त्रिपाठी शनिवार रात दो गाड़ियों से दिल्ली जा रही थीं। आगे वाली गाड़ी में विशाखा के साथ वृंदावन के व्यवस्थापक संजय और महिला सेवादार थी। व्यवस्थापक संजय ही गाड़ी चला

रहे थे। पीछे वाली गाड़ी में कृष्णा और श्यामा थीं। गाड़ी को सेवादार दीपक चला रहे थे। आगरा से आगे यमुना एक्सप्रेसवे पर नोएडा के दनकौर थाना क्षेत्र में रात करीब 3रू00 बजे पीछे से आए एक कैंटर ने दोनों गाड़ियों को ओवरटेक किया और अचानक अनियंत्रित होकर पहली गाड़ी पर पलट गया। इसी बीच पीछे से आ रही दूसरी गाड़ी उसी में घुस गई। आसपास के लोगों ने तत्काल राहत और बचाव कार्य शुरू किया। मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी को दोनों गाड़ियों से बाहर निकाला और दिल्ली के अपोलो हॉस्पिटल ले गई। वहां विशाखा त्रिपाठी को मृत घोषित कर दिया गया। अन्य घायलों का इलाज चल रहा है। घटना की जानकारी होते ही मनगढ़ के भक्ति धाम में शोक की दौड़ गई। मनगढ़ में 3 दिन का शोक घोषित किया गया है। डॉ. विशाखा का अंतिम संस्कार वृन्दावन में किया जाएगा। कृपालु महाराज की तीनों बेटियां हीं प्रतापगढ़ का मनगढ़ ट्रस्ट, वृंदावन ट्रस्ट और बरसाना ट्रस्ट की जिम्मेदारी संभालती हैं। तीनों बेटियों ने शादी नहीं की। विशाखा, श्यामा और कृष्णा ने वृंदावन, आगरा और प्रयागराज से पढ़ाई की। विशाखा ने कला से, श्यामा ने संस्कृत भाषा और कृष्णा त्रिपाठी ने साहित्य से पीएचडी की। विशाखा त्रिपाठी कृपालु महाराज के साथ अमेरिका भी गईं थीं। कृपालु महाराज के ट्रस्ट द्वारा कई विद्यालय, अस्पताल, अनाथालय और गौशालाएं भी संचालित होती हैं।

विशाखा, श्यामा और कृष्णा तीनों बहनों ने वैराग्य ले लिया था। तीनों बहने ब्रह्ममुहूर्त में पूजा अर्चना के बाद नाश्ता और फिर ऑनलाइन देश–विदेश के ट्रस्ट के संचालन की समीक्षा करती। आश्रम में गतिविधि सुबह 4 बजे से शुरू होती है। अस्पताल, अनाथाश्रम और अन्य संस्थानों की गतिविधियों का लेखा–जोखा रखतीं थीं। करीब 15 साल पहले कृपालु महाराज की भी एक हादसे में ही मौत हुई थी। 13 नवंबर 2013 को 91 वर्ष की उम्र में कृपालु जी महाराज ने अंतिम सांस ली थी। प्रतापगढ़ के आश्रम में फिसलने के कारण उनके सिर चोट आई थी, जिसके बाद वे कोमा में चले गए थे। इसके बाद उन्हें गुड़गांव के एक निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां उनका निधन हो गया। देश में कई जगद्गुरु हुए लेकिन जगद्गुरुत्तम की उपाधि केवल कृपालु जी महाराज को ही मिली है। जगद्गुरु कृपालु जी महाराज पहले ऐसे गुरु हैं, जिनका कोई शिष्य नहीं है लेकिन लाखों अनुयायी हैं। कृपालु जी महाराज का जन्म 06 अक्टूबर 1922 को प्रतापगढ़ के मनगढ़ में हुआ था। कृपाजी जी महाराज ने हाई स्कूल से 7वीं तक की परीक्षा उत्तीर्ण की और इसके बाद आगे की पढ़ाई के लिए मध्य प्रदेश चले गए। 14 वर्ष की आयु में इन्होंने तृप्त ज्ञान को प्राप्त कर लिया। इसके बाद इनका विवाह हो गया और गृहस्थ जीवन बिताने लगे। कृपालु जी महाराज की पांच संतान हैं, जिसमें दो बेटे घनश्याम और बालकृष्ण त्रिपाठी और तीन बेटियां विशाखा, श्यामा और कृष्णा हैं। हादसे में अब विशाखा की मौत हो गई। दो अन्य बेटियां घायल हैं।

प्रियंका की जीत से बदलेगी देश की राजनीति- मंजू पाण्डेय

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । वायनाड में प्रियंका गांधी की रेकार्ड मतों से जीत पर कांग्रेस नेताओं में प्रसन्नता का माहौल है। रविवार को महिला कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी श्रम प्रकोष्ठ की प्रदेश महासचिव मंजू पाण्डेय ने कचहरी परिसर में एक दूसरे को मिठाईयां खिलाकर खुशियों को साझा किया। मंजू पाण्डेय ने कहा कि निश्चित रूप से प्रियका गांधी की लोकसभा में मौजूदगी से जनहित विशेषकर महिला हितों के मुद्दे प्रभावशाली ढंग से उठेंगे। देश प्रियंका गांधी में इन्दिरा गांधी की छवि देखता है। उनकी सदन में मौजूदगी से कांग्रेस के साथ ही पूरे देश को नई राजनीतिक दिशा मिलेगी।

प्रियंका गांधी की ऐतिहासिक जीत पर प्रसन्नता व्यक्त करने वालों में मुख्य रूप से कांग्रेस नेता अवधेश सिंह, साधू शरन आर्य, प्रमोद दूबे, गिरजेश पाल, अनिल तिवारी, महेन्द्र श्रीवास्तव अब्दुल समद, गांधियन राकेश पाण्डेय, गौरीशंकर, अतीउल्ला सिद्दीकी, रामधीरज चौधरी, साधू शरन पाण्डेय आदि शामिल रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 25 नवम्बर 2024 सोमवार

सम्पादकीय

विचारधाराओं की लड़ाई में विजय

महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनाव परिणामों को एक साथ मिलाकर लोकसभा चुनाव परिणामों से तुलना कर सकते हैं और अलग—अलग विश्लेषण भी। महाराष्ट्र परिणाम बताते हैं कि भाजपा गठबंधन ने लोकसभा चुनाव परिणामों को पीछे छोड़कर अपने मुद्दों के आधार पर जबरदस्त बढ़त बनाई है। महाविकास अघाड़ी ने भी इसे विचारधारा की लड़ाई घोषित किया था। वह लोकसभा चुनाव के परिणाम का विश्लेषण करने में चूकी और मान लिया कि यह भाजपा और संघ की विचारधारा तथा प्रदेश सरकार और केंद्र में नरेंद्र मोदी सरकार के विरुद्ध जनादेश है जो जारी रहेगा। विधानसभा चुनाव परिणामों ने इस मान्यता को ध्वस्त किया है। महाराष्ट्र का परिणाम असाधारण है। भाजपा के नेतृत्व में महायुती की एकपक्षीय विजय है और भाजपा ने अपने इतिहास में सबसे ज्यादा सीटें पाईं। तो ऐसा परिणाम क्यों आया तथा झारखंड एवं महाराष्ट्र में अंतर क्यों है? महाराष्ट्र के मतदाताओं ने जब 1995 के बाद रिकॉर्ड संख्या में पिछले चुनाव से 4 प्रतिशत से ज्यादा मतदान किया तभी लग गया था कि यह लोकसभा चुनाव की पुनरावृत्ति के लिए नहीं है। मुंबई सिटी की 10 सीटों पर 52.65 प्रतिशत और उपनगर की 26 पर 56.39 प्रतिशत मतदान हुआ। महिलाओं के मतदान का आंकड़ा भी महत्वपूर्ण रहा।

कुल 9.7 करोड़ मतदाताओं में 5.22 करोड़ पुरुष और 4.69 करोड़ महिलाएं थीं। इनमें 3 करोड़ 34 लाख 37 हजार 57 पुरुषों तथा 3 करोड़ 6 लाख 49 हजार 318 महिलाओं और 1 हजार 820 अन्यों ने मतदान किया। पुरुषों की तुलना में केवल 28 लाख कम महिला मतदाताओं ने मतदान किया जबकि दोनों के बीच अंतर करीब 53 लाख था। कह सकते हैं कि महाराष्ट्र में महिलाओं के खाते में एकनाथ शिंदे सरकार द्वारा धन स्थानांतरित करना बड़ा कारण था। इससे हम इंकार नहीं कर सकते क्योंकि झारखंड में भी मैया सम्मान योजना ने भूमिका निभाई। लेकिन महाराष्ट्र में दोनों पक्षों के बीच लगभग 16 प्रतिशत मतों का अंतर केवल महिला मतदाताओं के कारण नहीं आ सकता। महत्वपूर्ण मुद्दे हिंदुत्व, हिंदुत्व अभिप्रेरित राष्ट्रीयता तथा इस्लामिक कट्टरवादकृइन पर सभी भाजपा व शिवसेना नेता बेहिचक प्रखर और आक्रामक होकर बोलते रहे, इनसे जुड़े मुद्दे उठाते रहे, विपक्ष को हिंदुत्व विरोधी, देश के हित के विरोधा में काम करने वाला घोषित किया।

महाराष्ट्र में मुस्लिम संगठनों और नेताओं के बीच महाविकास अघाड़ी को समर्थन देने की होड़ लगी हुई थी। ऐसी बैठकों के वीडियो सामने आए जिनमें मजहबी नेता, इमाम, मौलवी कह रहे हैं कि हमने लोकसभा चुनाव में महाविकास अघाड़ी के पक्ष में फतवा जारी किया और विजय मिली, हम इस बार भी जारी कर रहे हैं। भाजपा व शिवसेना समर्थकों में से जिन्होंने कई कारणों से लोकसभा चुनाव में मतदान नहीं किया या विरोध में चले गए या महा विकास अघाड़ी के पक्ष में मतदान करने वाले गैर प्रतिबद्ध मतदाताओं को भी लगा कि ङ्क्षहदू, बौद्ध,सिख और जैन के लिए भाजपा और शिवसेना ही है। हरियाणा से यह प्रवृत्ति हमने देखी। योगी आदित्यनाथ का बंटेंगे तो कटेंगे, प्रधानमंत्री का बंटेंगे तो विरोधी महफिल सजाएंगे और एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे नारे स्वाभाविक रूप में लोगों के दिलों तक पहुंचे। जब देवेंद्र फडनवीस ने कहा कि हमारे विरुद्ध वोट जिहाद है और इसे वोट के धर्मयुद्ध से हराएंगे तो भले इसकी आलोचना हुई लेकिन लोगों के अंतर्मन में यह भाव था। हरियाणा में देखा गया कि दलित और पिछड़े पहले की तरह इस नैरेटिव को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं थे। इस स्पष्ट दिखती प्रवृत्ति के बावजूद कांग्रेस और शिवसेना—उद्धव सबसे ज्यादा जोर इसी मुद्दे पर देती रहीं, कांग्रेस संविधान सम्मान सम्मेलन आयोजित करती रही और राहुल गांधी ने जातीय जनगणना की भी बात दुहराई।

भाजपा और शिवसेना ने इसे ङ्क्षहदुओं को जाति में विभाजित कर समाज—देश तोडने का षड्यंत्र बताते हुए हमला किया और आम कार्यकर्त्ता बंटेंगे तो कटेंगे तथा एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे नारे को नीचे तक पहुंचाते रहे। महाराष्ट्र के लगभग सभी क्षेत्रों में महायुती ने यूं ही अच्छा प्रदर्शन नहीं किया है। भाजपा के उम्मीदवारों की जीत लगभग 83 प्रतिशत है। महायुति सरकार के विरुद्ध यानी मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडनवीस, अजित पवार के विरुद्ध सरकार को लेकर जनता में ऐसा संतोष नहीं था जिसे उभारा जा सके। झारखंड में भाजपा की घुसपैठ, लव—जिहाद और जनांकिकी बदलने को मुद्दा इसलिए सफल नहीं हुआ क्योंकि उसने प्रदेश के अनुकूल रणनीति नहीं बनाई। हिमंता बिस्वा सरमा सह प्रभारी होते हुए भी मुख्य रणनीतिकार एवं पार्टी के सर्व प्रमुख चेहरा बने हुए थे। झारखंड की लड़ाई सतह पर हिमंता बनाम हेमंत सोरेन हो गई जो प्रदेश के मतदाताओं के अनुकूल नहीं थी।

लोगों के अंदर घुसपैठ, लव जिहाद मुस्लिम कट्टरवाद के विरुद्ध भाव था लेकिन हेमंत सोरेन के सामने ऐसा कोई चेहरा नहीं था जिसे देखकर आदिवासी मतदाता भाजपा की ओर आते। भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तारी को हेमंत ने आदिवासी सम्मान से जोड़ा और उसका भी प्रभाव हुआ। कुल मिलाकर मतदाताओं ने जनादेश से बता दिया है कि आई.एन.डी.आई.ए. और उनके घटकों की लोकसभा चुनाव में बढ़त अस्थायी थी जो समाप्त हो चुकी है। यह विचारधाराओं की लड़ाई में भाजपा शिवसेना की विजय का जनादेश है।

पर्दे के पीछे आर.एस.एस. ने दिलायी जीत

—अभिनव आकाश—

एक दो दिन पहले तक लग रहा था कि महाराष्ट्र की लड़ाई बहुत नजदीक होगी। वहीं एक दो हफ्ते पहले तक तो लग रहा था कि प्रदेश में महाविकास अघाड़ी महाराष्ट्र में सरकार बना लेगी। लेकिन 20 तारीख को वोटिंग के बाद कई सर्वे आए कभी महायुति को आगे दिखाया गया। लेकिन जब नतीजे आएं तो सभी की आंखें चकाचौंध से भर उठी। बीजेपी ने अभी तक महाराष्ट्र में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन में से एक है। ऐसे में आइए आपको बताते हैं कि महाराष्ट्र में बीजेपी ने ऐसा क्या किया है कि उसे प्रदेश में इतनी बड़ी ग्रोथ मिल गई है। महाराष्ट्र चुनाव में बीजेपी और आरएसएस के बीच बेहतर तालमेल देखने को मिला। जिसका लाभ महायुति को इस बार के चुनाव में देखने को मिला। जानकारों का कहना है कि जिस तरह से इसी साल लोकसभा चुनाव के बाद नतीजे बीजेपी के लिए चौंकाने वाले आए थे। उससे जो नैरेटिव सेट हुआ उसे बदलने के लिए आरएसएस ने खुद मोर्चा संभाल लिया था। आरएसएस ने बीजेपी के लिए पूरा जोर लगाया था। कहा जा रहा है कि इसी वजह से महाराष्ट्र में वोटिंग प्रतिशत में इजाफा हुआ। आपको बताते हैं कि संघ ने महाराष्ट्र में पर्दे के पीछे रहकर कैसे काम किया।

जहां से आरएसएस की उत्पत्ति हुई और इसका मुख्यालय भी जहां स्थित है वहां कैडरों ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि वे एक राजनीतिक और सांस्कृतिक बाजीगर क्यों बने हुए हैं। अपने वैचारिक राजनीतिक पक्ष में हवा के रुख को मोड़ने के लिए रणनीतियों के साथ हिंदुत्व के ताने बाने को सहजता से बुनने में माहिर माना जाता है। मुंबई के औद्योगिक केंद्रों से लेकर विदर्भ के कृषि क्षेत्रों तक, आरएसएस कार्यकर्ताओं की जमीनी स्तर की लामबंदी ने हिंदू वोटों को एकजुट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। संघ के संगठन और बीजेपी के बड़े नेता लगातार बैठके कर रहे थे। संघ के साथ वीएचपी, वनवासी कल्याण आश्रम, भारतीय मजदूर संघ के साथ भी बड़े बीजेपी नेताओं की बैठक हो रही थी। हाल ही में विपक्ष की तरफ से स्थापित जातिगत रेखाओं को तोड़कर एक नया चुनावी गणित तैयार किया है। विपक्ष के नरेटिव को तोड़ने के लिए संघ ने 13 अलग अलग ग्रुप बनाए। इनका काम ग्राउंड पर जाना और सोशल मीडिया पर विपक्ष के नैरेटिव को काउंटर करना था। संघ ने महाराष्ट्र की सभी विधानसभा सीटों पर घर घर जाकर कैंपेन किया। संविधान खतरे में है वाले नैरेटिव की काट घर घर संविधान से दिया गया। आरएसएस ने घर—घर पहुंच सुनिश्चित करने के लिए हमारे सजग रहो मंत्र के साथ, संघ के नेटवर्क ने बूथ स्तर पर चुपचाप काम किया।

आरएसएस की राष्ट्रीय कार्यकारी समिति के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने कहा कि हम विशेष रूप से विदर्भ, कोंकण, मराठवाड़ा और पश्चिमी महाराष्ट्र जैसे क्षेत्रों में बिखरे हुए समुदायों को सफलतापूर्वक एकजुट कर सकते हैं, जहां जातिगत वफादारी अक्सर मतदान के पैटर्न को निर्धारित करती है। हिंदुत्व के मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करके और सड़कों पर दिखाई देने वाली मुस्लिम आक्रामकता के बारे में चिंताओं को संबोधित करके, संघ ने मध्यम वर्ग के भीतर बढ़ती नापसंदगी का फायदा उठाया। यह मौन एकजुटता महत्वपूर्ण 4—5 प्रतिशत वोट स्विंग में बदल गई, जिससे भाजपा का आधार उसके पारंपरिक समर्थन आधार और गढ़ों से आगे बढ़ गया। संघ ने मराठा, आदिवासी और दलित समाज नेताओं को प्रचार में लगाया। सोशल मीडिया पर कैंपेनिंग के लिए इंफ्ल्यूएंशर को अलग से टीम बनाई। संघ की इस मेहनत का असर आज नतीजों के रूप में सामने हैं।

हरियाणा चुनाव के नतीजों के विश्लेषण से यह भी पता चलता है कि कैसे ग्रामीण और शहरी इलाकों में आरएसएस की पैठ ने शासन और जमीनी स्तर की चिंताओं, कुछ परस्पर विरोधी जातियों के बीच की खाई को सफलतापूर्वक पाट दिया और भाजपा को अपने राजनीतिक परिणामों को आकार देने में मदद की। बेरोजगारी, जातिगत गतिशीलता या सांस्कृतिक पहचान से लेकर क्षेत्रीय असंतोष को भुनाने की संगठन की क्षमता ने इसे भाजपा के लाभ के लिए मतदाता—भावना को प्रभावित करने की अनुमति दी है। इसका व्यवस्थित और कैडर—संचालित दृष्टिकोण यह सुनिश्चित करता है कि मुद्दों को न केवल उठाया जाए बल्कि उनका समाधान भी किया जाए। इसी तरह, महाराष्ट्र में संघ ने राजनीतिक रूप से जटिल राज्य में रणनीतियों को पुनरू व्यवस्थित करने की अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया है। भाजपा की गठबंधन चुनौतियों के साथ—साथ शिवसेना और राकांपा के भीतर विभाजन के बावजूद, संघ का जमीनी कार्य मतदाताओं को एकजुट करने में सहायक रहा है। मराठा वोटों में बिखराव का भी महायुति और बीजेपी को फायदा मिला।

मुंबई जैसे औद्योगिक क्षेत्रों सहित शहरी क्षेत्रों में इंफ्रास्ट्रक्चर, बेरोजगारी के मुद्दों, आर्थिक स्थिरता और कानून व्यवस्था के आसपास मध्यम वर्ग की चिंताओं पर जोर दिया। कांग्रेस और उद्धव ठाकरे की शिवसेना द्वारा अपनाए गए उद्योग—विरोधी और व्यापार—विरोधी रुख ने वास्तव में शहरी मतदाताओं को निराश किया था। इसके विपरीत, मुंबई पेरिफेरल रोड परियोजना और अन्य विकास जैसी पहल, जबकि लाडली बहना जैसी लक्षित नीतियां महिलाओं और शहरी गरीबों जैसे मुद्दे को टच करना लोगों को भा गया।

विध्वंस' को महिमामंडित करना शर्मनाक

—तनवीर जाफरी—

साहित्य, मानवीय अभिव्यक्ति का एक ऐसा रूप है जो श्संस्कृतिश का प्रसार करता है। साहित्य को समाज का दर्पण भी कहा जाता है। साहित्यकार अपनी रचनाओं में समाज के विभिन्न पहलुओं को दर्शाते हैं। साहित्य, जीवन के प्रचलन के अनुसार गतिशील रहता है। गैर—काल्पनिक गद्य, काल्पनिक गद्य, कविता, नाटक, और लोक कथाएं आदि साहित्य के प्रमुख रूप हैं। साहित्यिक भाषा, किसी भाषा का वह रूप है जिसका उपयोग औपचारिक, अकादमिक, या विशेष रूप से विनम्र लहजे में लिखते समय किया जाता है। साहित्य समाज के मर्म का भी दर्पण है। यह साहित्य ही है जिसके द्वारा शब्दों के माध्यम से बड़े ही प्रभावी तरीके से अपनी बात कही और दूसरों तक पहुंचाई जाती है। हमारे देश में हिंदी व उर्दू साहित्य का एक सबसे प्रभावी नाम था मुंशी प्रेमचंद। उनके उपन्यासों व कहानियों में प्रायः गरीबी,सामाजिक अन्याय, सामाजिक व साम्प्रदायिक सद्भाव सहित तमाम मानवीय पहलुओं का जिक्र हुआ करता था। इसी तरह प्रेमचंद के समकक्ष अंग्रेजी साहित्य में भी ऐसे अनेक साहित्यकार हुये हैं जिन्होंने सामाजिक मुद्दों और यथार्थवाद को इसी तरह संबोधित किया। इनमें चार्ल्स डिकेंस को जहां गरीबों के संघर्षों के चित्रण और सामाजिक अन्याय की आलोचना के लिए जाना जाता है वहीँ विशेष रूप से ओलिवर ट्विस्ट और डेविड कॉपर फील्ड जैसी रचनाओं के लिये भी वे प्रसिद्ध हैं। इसी तरह मार्क ट्वेन के आख्यानों में अक्सर जाति और वर्ग के विषयों पर प्रकाश डाला जाता था, जैसा कि द एडवेंचर्स ऑफ हकलबेरी फिन में देखा गया है। वहीं टोनी मॉरिसन जोकि बेलव्ड जैसे उपन्यासों में अफ्रीकी अमेरिकी अनुभवों और सामाजिक मुद्दों की उनकी खोज प्रेमचंद के हाशिए पर पड़े समुदायों पर ध्यान केंद्रित करने के साथ प्रतिध्वनित होती है। प्रेमचंद की ही तरह इन लेखकों ने भी अपने आख्यानों का उपयोग सामाजिक मानदंडों और अन्याय की आलोचना करने के लिए किया।

लियो टॉल्स्टॉय ने भी प्रेमचंद के लेखन को प्रभावित किया। उन्होंने टॉल्स्टॉय की नैतिक कहानियों का हिंदी में अनुवाद किया, जिससे उन्हें षहिंदी टॉल्स्टॉयष की उपाधि मिली। इसी तरह गुस्ताव फ्लोबर्ट की कथात्मक शैली भी प्रेमचंद के सामाजिक यथार्थवाद पर ध्यान केंद्रित करने के समान है। मैक्सिम गोर्की ने भी विशेष रूप से निम्न वर्गों के संघर्षों के संबंध में प्रेमचंद के साथ विषयगत चिंताओं को साझा किया। इसी तरह शेक्सपियर हों या रविंद्र नाथ टैगोर,इन जैसे अनेक लेखकों व साहित्यकारों ने अपने लेखन में मानवीय संवेदनाओं का बखूबी जिक्र किया है। वैसे भी हमारा देश गांधी के सत्य अहिंसा के सिद्धांतों पर चलने वाले देश के रूप में विश्व प्रसिद्ध है। इसलिये यहाँ हिंसा,विध्वंस,नफरत,विद्वेष,साम्प्रदायिकता तबाही बर्बादी जैसे अमानवीय पहलुओं की कोई गुंजाईश नहीं होनी चाहिये।

परन्तु ब्रिटिश कंपनी जे सी बैमफोर्ड एक्सकेवेटर लिमिटेड (जेसीबी) की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी जेसीबी (इंडिया) जो ब्रिटिश कंजर्वेटिव पार्टी के सबसे प्रभावशाली दान दाताओं में से एक रही है, इसी जेसीबी कंपनी ने लेखकों के लिए एक साहित्य पुरस्कार की स्थापना की है। गौर तलब है कि यही जे सी बी कंपनी है जो इजराइली रक्षा मंत्रालय के साथ एक अनुबंध के तहत फिलिस्तीन में मकानों को ध्वस्त करने और अवैध इस्राईली बस्तियों के विस्तार के लिए जेसीबी बुलडोजर मुहैय्या करा रही है। इसी जे सी बी के बुलडोजर गजा में तबाही मचाये हुये हैं। भारत में भी सुप्रीम कोर्ट के दखल के बाद भले ही जे सी बी के बुलडोजरों द्वारा ढहाए जाने वाले भवनों की संख्या में अब विराम लग गया हो। परन्तु गत एक दशक से देश के खासकर भारतीय जनता पार्टी शासित अनेक राज्यों में सत्ता शक्ति का दुरूपयोग करते हुये धर्म व जाति—विशेष के लोगों को निशाना बनाया गया और शासन द्वारा अदालत की शक्तियों को अपनी हाथों में लेने की कोशिश की गयी, जिसने पूरे विश्व में मानवीय संवेदनाओं को झकझोर कर रख दिया।

और इससे भी शर्मनाक बात यह है कि इसी विध्वंसकारी मशीन का भारत से लेकर अमेरिका तक इन्हीं दक्षिणपंथियों द्वारा महिमामंडन किया गया। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर इस मशीन का विदेशों में प्रदर्शन किया गया। और हद तो तब हो गयी जब गाँधी के राज्य गुजरात में अप्रैल 2022 में तत्कालीन ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ब्रिटिश जे सी बी कम्पनी का दौरा करते हैं और साथ ही बुलडोजर पर खड़े होकर फोटो कराते हैं। साथ ही अपने इसी दौरे में वे गाँधी जी के आश्रम में जाकर उनका चरखा भी चलाते हैं। सवाल यह है कि जो जे सी बी कंपनी भारतीय लेखकों की विविधता का जश्न मनाते हुए साहित्यिक पुरस्कार देने के घोषणा कर रही हो उसी कंपनी द्वारा ऐसी विध्वंसकारी मशीन का निर्माण व जनसंहारक उपयोग किया जाना जिससे कि वह दंड के रूप में लाखों लोगों के जीवन,उनके घरों व आजीविका को नष्ट करने में भागीदार हो, ऐसे दोहरेपन में आखिर श्साहित्यिक पुरस्कारश की क्या गुंजाईश ?

यही वजह है कि भारतीय लेखकों सहित विश्व के सौ से अधिक उपन्यासकारों, लेखकों, कवियों, अनुवादकों और प्रकाशकों ने ब्रिटिश बुल्डोजर निर्माता और एक साहित्यिक पुरस्कार की आयोजक कंपनी जेसीबी की आलोचना करते हुए एक खुला पत्र लिखकर साफ शब्दों में यह कहा है कि 'जेसीबी साहित्य पुरस्कार' कोई पुरस्कार नहीं बल्कि यह इस कंपनी का एक पाखंड है क्योंकि जेसीबी साहित्य पुरस्कार' की घोषणा करने वाली यही कंपनी भारत और फिलस्तीन में गरीबों तथा हाशिये पर पड़े गरीब लोगों की जिंदिगी 'उजाड़' रही है और जो 'दंड के रूप में इतने सारे लोगों के जीवन और आजीविका को नष्ट करने में भागीदार है।' 'लेखकों ने पत्र में यह भी लिखा है कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने विभिन्न राज्यों में मुसलमानों के घरों, दुकानों और उपासना स्थलों को ध्वस्त करने के लिए 'व्यवस्थित अभियान' में लगातार जेसीबी बुलडोजर का इस्तेमाल किया है और इस परियोजना को 'बुलडोजर न्याय' का नाम दिया गया है, जो बेहद परेशान करने वाला है। लेखकों ने अपने खुले पत्र में यह भी कहा है कि ''हम साहित्यिक समुदाय के समर्थन के ऐसे कपटपूर्ण दावों को बर्दाश्त नहीं करेंगे। यह पुरस्कार जेसीबी के हाथों पर लगे खून को नहीं धो सकता। भारत के उभरते लेखक इससे बेहतर पुरस्कार के हकदार हैं।

कंपनी और पुरस्कार देने वालों की ओर से इस तरह का पाखंड निंदनीय है। इसे भारतीय साहित्य के लिए एक बहुत ही 'प्रतिष्ठित' साहित्यिक पुरस्कार के साथ जोड़कर हरगिज नहीं देखा जा सकता। न ही इस पुरस्कार का स्वतंत्र अभिव्यक्ति, विविधता और बहुलवाद को बढ़ावा देने से कोई लेना—देना है। मानवीय संवेदनाओं का सम्मान करने वाले लेखकों के लिये यह महत्वपूर्ण व जरूरी है कि वे मानवाधिकारों के इस घोर उल्लंघन के खिलाफ आवाज उठाएं।''क्योंकि 'विध्वंस' को महिमामंडित करना शर्मनाक है।

सियासी सूझबूझ मस्त, अहंकार पस्त

—कमलेश पाण्डेय—

लगभग एक दर्जन से अधिक राज्यों की 48 विधानसभा सीटों सहित लोकसभा की 2 सीटों पर हुए उपचुनाव के नतीजे और इनके रुझानों से उपर्युक्त आशय के संकेत मिले हैं। इन 48 सीटों में से यूपी की 9 सीटों पर देशभर की निगाहें लगी हुई हैं, जहां बीजेपी नेता व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 7 सीट जीतकर एकबार फिर अपना जलवा दिखा दिया है, जबकि सपा को मात्र 2 सीटों पर संतोष करना पड़ा, जिससे उसके पीडीए का दम्भ चकनाचूर हो गया। उधर, बिहार में राजद विस उपचुनाव वाली चारों सीटों पर पिछड़ती चली गई, जिससे तेजस्वी यादव के नेतृत्व पर अब सवाल उठने लगा है।

महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनावों के साथ—साथ लोकसभा की दो सीटों और विभिन्न दर्जनाधिक राज्यों की 48 विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव के परिणाम चौंकाने वाले हैं। ये चुनाव परिणाम इस बात का स्पष्ट इशारा कर रहे हैं कि मतदाताओं ने जहां सियासी सूझबूझ को ग्रेस देते हुए मस्त कर दिया है, वहीं राजनैतिक अहंकार को पूरी तरह से पस्त करके जमीन पर ला दिया है। मतलब यह कि पारस्परिक सिरफुटौव्वल को सिरे से खारिज कर दिया है।

दो टूक शब्दों में कहें तो मतदाताओं ने जहां महाराष्ट्र के भाजपा नेता व उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को सहयोगियों सहित और झारखंड के जेएमएम नेता व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को साथियों सहित अपनी—अपनी सियासत को नए सिरे से आगे बढ़ाने का मौका दिया है।

वहीं, कांग्रेस नेता राहुल गांधी, एनसीपी शरद पवार के नेता शरद पवारध्सुप्रिया सुले, शिवसेना यूटीबी के नेता उद्धव भाऊ ठाकरे, समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव, राजद नेता तेजस्वी यादव आदि को जोर का झटका धीरे से दिया है, क्योंकि इनके बीच समुचित सामंजस्य के अभाव को मतदाताओं ने समय रहते ही भांप लिया और इनकी उम्मीदों के विपरीत परिणाम दिया।

हालांकि तृणमूल कांग्रेस नेत्री व पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की लाज जनता ने बचा ली है। वहीं, पंजाब में आप—कांग्रेस की टक्कर एकबार फिर सामने आई है, जो आगामी दिल्ली विधानसभा चुनाव में भी दिखाई देगी। वहीं, कांग्रेस नेत्री और वायनाड, केरल के लोकसभा उपचुनाव की प्रत्याशी प्रियंका गांधी को जीत देकर उनका राजनीतिक मार्ग प्रशस्त कर दिया है। जबकि महाराष्ट्र के नांदेड़ लोकसभा उपचुनाव में कांग्रेस की शिकस्त और बीजेपी को बढ़त मिली है।

खास बात यह है कि महाराष्ट्र के शिवसेना नेता और मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे तथा एनसीपी नेता व उपमुख्यमंत्री अजित पवार भी अपने—अपने दल को तोड़ने के बावजूद अपनी—अपनी पार्टी की विरासत पर पूरी तरह से कब्जा जमा लिया है। उनके इस मिशन को पूरा करने में भाजपा नेता व उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के चमत्कारिक नेतृत्व के योगदान को नकारा नहीं जा सकता है। कुल मिलाकर एक ओर महाराष्ट्र में भाजपा के नेतृत्व वाले महायुति (गठबंधन) को प्रचंड जीत मिली है, वहीं दूसरी ओर झारखंड में जेएमएम के नेतृत्व वाले इंडिया गठबंधन ने स्पष्ट बहुमत प्राप्त करने में सफलता हासिल कर ली है। अब इनका मुख्यमंत्री कौन होगा और उनका मंत्रिमंडल कैसा होगा, इसको लेकर माथापच्ची शुरू हो चुकी है।

वहीं, महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में कांग्रेस, एनसीपी शरद पवार और शिवसेना यूटीबी के महाविकास अगाड़ी के अलावा यूपी विधानसभा उपचुनाव में समाजवादी पार्टी और बिहार विधानसभा उपचुनाव में राष्ट्रीय जनता दल के निराशाजनक प्रदर्शन से इनकी आंतरिक रस्साकशी का भी भंडाफोड़ हो चुका है। इससे इनके लोकसभा चुनावों के संयुक्त प्रदर्शन पर भी पानी फिर गया है। इससे सेक्यूलर मतदाताओं में भी गहरी निराशा छा गई है। हालांकि, झारखंड में कांग्रेस और राजद को मिली जीत से पार्टी के नेतृत्व को थोड़ी राहत मिली है।

वहीं, एनडीए की जोरदार सफलता से विकास, हिंदुत्व व राष्ट्रवाद की भावना एक बार फिर उफान पर है, क्योंकि यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के श्बटेंगे तो कटेंगेश के नारे और पीएम नरेंद्र मोदी के श्एक रहेंगे तो सेफ रहेंगेश के नारों का असर महाराष्ट्र से लेकर यूपी—बिहार तक दिखाई पड़ा है। राजस्थान, मध्यप्रदेश से लेकर असम तक इसका असर पड़ा है। लेकिन झारखंड में यह नारा कैसे मिस्फायर कर गया, यह शोध का विषय है। वहीं, बंगलादेशियोंध्रोहिंग्या मुसलमानों का मुद्दा भी यहां फेल हो गया, क्योंकि इनलोगों ने गोलबंद होकर इंडिया गठबंधन को पोल कर दिया। वहीं, लाडली बहना योजना की सफलता ने महाराष्ट्र की महायुति सरकार को फिर से वहां लौटने का मौका दिया है। वहीं, केरल और कर्नाटक में कांग्रेस की सियासी इज्जत बच गई है।

बता दें कि लगभग एक दर्जन से अधिक राज्यों की 48 विधानसभा सीटों सहित लोकसभा की 2 सीटों पर हुए उपचुनाव के नतीजे और इनके रुझानों से उपर्युक्त आशय के संकेत मिले हैं। इन 48 सीटों में से यूपी की 9 सीटों पर देशभर की निगाहें लगी हुई हैं, जहां बीजेपी नेता व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 7 सीट जीतकर एकबार फिर अपना जलवा दिखा दिया है, जबकि सपा को मात्र 2 सीटों पर संतोष करना पड़ा, जिससे उसके पीडीए का दम्भ चकनाचूर हो गया। उधर, बिहार में राजद विस उपचुनाव वाली चारों सीटों पर पिछड़ती चली गई, जिससे तेजस्वी यादव के नेतृत्व पर अब सवाल उठने लगा है।

इसके अलावा वायनाड सीट के रिजल्ट को लेकर भी काफी उत्सुकता है, जहां से प्रियंका गांधी वाड्रा ने जीत हासिल की है। साथ ही राजस्थान में 7, पश्चिम बंगाल में 6, असम में 5, पंजाब और बिहार में 4—4 सीटों पर हुए उपचुनाव के नतीजे से जहां सत्ताधारी गठबंधन सब पर भारी पड़ता दिखाई दे रहा है। वहीं, कर्नाटक और केरल में 3—3 सीटों पर हुए उपचुनाव में कांग्रेस गठबंधन की लाज बच गई है। इनके अलावा उत्तराखंड की केदारनाथ सीट पर नजरें टिकी हैं, जहां भाजपा प्रत्याशी ने जीत हासिल की है। इससे साफ है कि महाराष्ट्र—झारखंड में सियासी सूझबूझ मस्त साबित हुआ, जबकि अहंकार पस्त हो गया।

छापेमारी में तस्करी के लिए रखा लाखों का कपड़ा और कास्मेटिक पकड़ा गया

संवाददाता–महराजगंज। नौतनवा में तस्करी का एक बड़ा मामला पकड़ में आया है। कस्बे के जायसवाल मोहल्ले के एक घर में तहसील प्रशासन व पुलिस की संयुक्त टीम ने छापेमारी कर करीब 20 लाख रुपये के कपड़ों व कास्मेटिक की खेप को पकड़ा है। इसे तस्करी के लिए इकट्ठा किया गया था। 16 गट्ठरों में पकड़ा व एक गट्ठर में कास्मेटिक रखा गया था। हालांकि मौके से टीम किसी को दबोच नहीं सकी। पुलिस ने कस्टम विभाग से लेकर जीएसटी विभाग के अधिकारियों तक मामले की जांच के लिए लिखा है। कपड़ा तस्करी की सूचना मिलने के बाद प्रभारी निरीक्षक धर्मेंद्र कुमार सिंह पुलिस फोर्स के अलावा तहसीलदार कर्ण सिंह के साथ जायसवाल मोहल्ले में स्थित इस मकान में छापेमारी की। यहां पर अवैध तरीके से रखा गया 16 गट्ठर कपड़ा एवं एक गट्ठर में कॉस्मेटिक का सामान बरामद हुआ। बरामद किए गए सामानों की कीमत 20 लाख के करीब आंकी जा रही है। पुलिस ने बरामद सभी सामानों को अपने कब्जे में लेते हुए 113 कस्टम अधिनियम के तहत कार्रवाई में जुट गई है।

पुलिस यह भी पता लगाने में जुट गई है कि आखिर इस कपड़ों का मालिक कौन है। वह किसके माध्यम से नेपाल की सीमा में इसे पहुंचाने की फिराक में था। पुलिस ने कस्टम विभाग के उच्च अधिकारियों से लेकर जीएसटी विभाग के अधिकारियों को भी चिट्ठी लिखकर मामले की जांच में सहयोग को कहा है।

नौतनवा कस्बे से बड़े पैमाने पर कपड़े की तस्करी होती रही है। भारत और नेपाल के बीच कपड़ा तस्करी का खेल काफी पुराना है। इसमें बड़े पैमाने पर जीएसटी चोरी का खेल खेला जाता है। भारत के अलग–अलग राज्यों से नेपाल को जाने वाले कपड़े पर भारत सरकार जीएसटी की छूट देती है। इसका फायदा स्थानीय तस्कर उठाते हैं और नौतनवा में इस तरह के कपड़ों को उतार कर पगडंडी रास्तों के जरिए नेपाल की सीमा में पहुंचा देते हैं।

पुलिस ने छापेमारी के दौरान 17 गट्ठरों में भारी मात्रा में साड़ी, टोपी, गर्म मोजा, लेडीज शूट, गर्म लोवर, स्वेटर, वूलन पैंट, वूलन कुर्ती, फेस पावडर, लिपिस्टिक, आइब्रो पेंसिल आदि सामानों की खेप की बरामदगी हुई है।

सामानों की जांच को लेकर नौतनवा पुलिस ने सहायक आयुक्त राज्य कर खंड गोरखपुर को पत्र लिखा है। पुलिस का मानना है कि जीएसटी विभाग की जांच में इस बात की सत्यता सामने आ सकती है कि किसने कहां से कपड़ों को मंगाया है। अवैध कारोबारियों व मास्टरमाइंड की पहचान हो सकती है।

धर्मेंद्र कुमार सिंह, प्रभारी निरीक्षक ने कहा कि सूचना के बाद तत्काल तहसीलदार नौतनवा के साथ छापेमारी की गई। तस्करी के लिए रखा बड़े पैमाने पर कपड़ा व कॉस्मेटिक बरामद हुआ है। यहां तक कपड़ा कैसे पहुंचा है? इसकी जांच के लिए जीएसटी विभाग को भी पत्र भेजा गया है।

बुद्ध की धरती महराजगंज पर लिखी जायेगी पुस्तक

संवाददाता–महराजगंज। महराजगंज जिले की सम्पूर्ण जानकारी को एक पुस्तक में समाहित करने के लिए बुद्ध की धरती महराजगंज नाम से विशद पुस्तक प्रकाशित होगा। इसको लेकर कोलकाता विश्वविद्यालय कोलकाता के अवकाश प्राप्त हिंदी के आचार्य व प्रोफेसर अमरनाथ की अध्यक्षता में बुद्धिजीवियों की बैठक लेखक कृष्णमोहन अग्रवाल के आवास पर हुई। बैठक में पुस्तक प्रकाशन के लिए विचार–विमर्श कर योजना निर्धारित की गई। प्रलेस के मीडिया सचिव डॉ. शांति शरण मिश्र ने बताया कि पुस्तक में महराजगंज जनपद से संबंधित ऐतिहासिक, भौगोलिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक, सामाजिक, औद्योगिक, शैक्षिक, पुरातत्व, पर्यटन, खेलकूद, पर्यावरण, वन, स्वास्थ्य सुविधाओं, भूले–बिसरे लोग, महत्वपूर्ण शख्सियत आदि विषयों पर विस्तृत लेख समाहित होंगे। इस योजना में महराजगंज के साहित्य से जुड़े लोगों से सहयोग की अपील की गई है। शोधपरक इस पुस्तक के प्रकाशन के उद्देश्य से अभी एक छोटी कमेटी का गठन किया गया है। इसमें कोलकाता विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त आचार्य प्रो. अमरनाथ, पीजी कॉलेज राजनीति विज्ञान विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. इनामुल्लाह सिद्दीकी को संरक्षक बनाया गया है। पीजी कॉलेज के पूर्व प्राचार्य डॉ. आरके मिश्र को संयोजक बनाया गया है। सामाजिक संकल्पना से जुड़े पूर्व पत्रकार लेखक प्रलेस के महासचिव कृष्ण मोहन अग्रवाल को सचिवध्संपादक की भूमिका सौंपी गई है। पीजी कॉलेज के रक्षा अध्ययन विभाग के पूर्व प्रभारी डॉ. परशुराम गुप्त, पीजी कॉलेज के पूर्व मुख्य नियंता डॉ. घनश्याम शर्मा और सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय सेंट जोसेफ स्कूल के प्रबंधक सीजे थामस को उपसचिव बनाया गया है। डॉ. शांतिशरण मिश्र को सचिव मीडिया का कार्य व सुरेंद्र पटेल को संयुक्त सचिव का दायित्व सौंपा गया है।

रोमांचक करतब देख चकित रहे दर्शक

संवाददाता–बहराइच। एजीसी स्कूल रुपईडीहा के विद्यार्थियों ने एक के एक करतब किए, जिसे देखकर लोग अचंभित रह गए। नेपाल सीमा से सटे एसेम्बली ऑफ गॉड चर्च स्कूल का खेल दिवस यादगार बन कर रह गया। स्पोर्ट्स डे के मुख्य अतिथि इसी विद्यालय के पूर्व छात्र मेजर आर्यन कुमार यादव व पत्नी अदिति यादव मौजूद रहे। उन्होंने गुब्बारे उड़ा कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। खेलों में रिले रेस, विभिन्न कक्षा वर्गों का पिटी डिस्प्ले व पिरामिड जिम्नास्टिक आदि खेलों का प्रदर्शन किया गया। मेजर ने मार्च पास्ट की सलामी ली। प्रबंधक व प्रिंसिपल मिस्टर एंड मिसेज रैम्बल की अनुपस्थिति में प्रभारी अमित कुमार श्रीवास्तव व इंद्र बहादुर घर्ती के निर्देशन व संरक्षण में स्पोर्ट्स डे सम्पन्न हुआ। शिक्षक शिक्षिकाओं तृप्ता दास, योगेंद्र प्रसाद शुक्ल, जानवी जान, प्रतीक्षा श्रीवास्तव, रीता श्रीवास्तव, अंकुर त्रिपाठी, विनय शर्मा, अंशुमान वर्मा, प्रतिमा चक्रवर्ती, जीनत फातिमा, अरुणिमा चक्रवर्ती, पूनम सिरपाली व अंशिका पाठक का कार्यक्रम को मूर्त रूप देने में विशेष योगदान रहा। टीचर्स रेस, मेकिंग टाई मेक, सीमा लेडीज रेस व धीमी साइकिल रेस विशेष आकर्षण के केंद्र रहे। दोपहर 12 बजे से शाम 5 बजे तक एक टक होकर दर्शक तालियां बजाते देखे गए, कुल 24 कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए।

विधि विधान से हुई काल भैरव अष्टमी की पूजा

संवाददाता–महराजगंज। महराजगंज नगर के सिंचाई कालोनी में स्थित शिव मंदिर पर काल भैरव की विधि–विधान से पूजा–अर्चन की गई। इसमें जनपद में सुख–शांति के लिए प्रार्थना की गईं। विधि विधान से पूजा पंडित योगेन्द्र पांडेय ने कराई। पूजा के बाद डॉ. आनंद स्वरूप श्रीवास्तव ने कहा कि काल भैरव को भगवान शिव का तीसरा रूद्र अवतार माना जाता है। पुराणों के मुताबिक मार्गशीष महीने के कृष्णपक्ष की अष्टमी के दिन ही भगवान काल भैरव प्रकट हुए थे। बाबा भैरव नाथ की पूजा अर्चना करने से काफी समस्याएं दूर हो जाती हैं। बीजेपी जिलाध्यक्ष संजय पांडेय ने कहा कि पौराणिक कथाओं में भैरव काल अष्टमी का अति महत्व है। जर्नलिस्ट्स से क्लब के अध्यक्ष अजय श्रीवास्तव ने कहा कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी शिव मंदिर पर विधि विधान से पूजा–अर्चना कर सुख शांति की कामना की गई हैं। इस दौरान जेपी सिंह, विश्वदीपक त्रिपाठी, दीपक शरण श्रीवास्तव, सुनील श्रीवास्तव, संजय पांडेय, अभय श्रीवास्तव, अनिल वर्मा, नीरज श्रीवास्तव, विपिन श्रीवास्तव, अंकुश श्रीवास्तव, डिग्गू सिंह, अभिषेक श्रीवास्तव, राकेश

गोवंशों के नस्ल सुधार के लिए योजना बनाकर काम करें –डीएम

संवाददाता–महराजगंज। डीएम अनुनय झा की अध्यक्षता में गोसदन मधवलिया की जिला प्रबंध कार्यकारिणी की बैठक गोसदन परिसर में हुई। डीएम ने स्वदेशी नस्ल के गोवंशों के नस्ल सुधार के लिए दीर्घकालीन कार्ययोजना बनाकर काम करने का निर्देश दिया। नस्ल सुधार के लिए चिह्नित गोवंश के विस्तृत अभिलेखीकरण के लिए भी कहा। उन्होंने गोसदन में साइलेज बनाने का काम जल्द शुरु करने करने और गो–कास्ट के निर्माण व बिक्री के लिए इच्छुक स्वयं सहायता समूहों के साथ अनुबंध करते बिक्री की रणनीति बनाने का निर्देश दिया। कहा कि गोसदन की आय बढ़ाने के हर उपाय किए जाएं।

बैठक के बाद सिसवा विधायक प्रेमसागर पटेल ने कहा कि पहले गोसदन की स्थिति बेहद निराशाजनक थी। लेकिन विगत वर्षों के प्रयास के परिणामस्वरूप गोसदन में काफी कार्य शासन–प्रशासन द्वारा कराया गया है। जरूरत गोसदन को आत्मनिर्भर बनाए जाने की है। इससे पहले डीएम ने गोसदन परिसर का निरीक्षण किया और पशु शेड, वर्मी कंपोस्ट पिट, गोबर गैस प्लांट सहित हरे चारे आदि की व्यवस्था देखी। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी ने बताया कि गोसदन परिसर में कुल 537 पशु संरक्षित हैं। इन पशुओं के गोसदन में वर्तमान में लगभग 399 कुंतल भूसा और दान के माध्यम से 230 कुंतल पराली उपलब्ध है। साथ ही 05.50 कुंतल चोकर भी दान के माध्यम से प्राप्त हुआ है। इसके अलावा पशुओं के लिए 1 एक्स में नेपियर घास, 03 एकड़ में जई .05 एकड़ में बरसीम की बुआई की गई है।

डीएम ने जाड़े को देखते हुए काऊ–कोट भी पर्याप्त संख्या में सुनिश्चित करने का निर्देश बीडीओ निचलौल को दिया। बैठक में सीडीओ अनुराज जैन, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. हौसला प्रसाद, उपजिलाधिकारी निचलौल शैलेंद्र गौतम, बीडीओ निचलौल शमा सिंह सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

हाईवे पर चलती कार में लगी आग, कुछ ही देर में राख के ढेर में बदल गई, सभी सवार सुरक्षित

संवाददाता–श्रावस्ती। नानपारा – लखीमपुर हाईवे पर गिरगिट्टी गांव के पास रविवार दोपहर लगभग दो बजे के आसपास एक चलती कार में में आग लग गई। ड्राइवर की सूझबूझ से सभी सवारों की जान बची और कुछ ही देर में कार पूरी तरह जलकर राख हो गई।

वाहन जलने के कारण जाम भी लग गया। घटनास्थल पर पहुंची मोतीपुर थाने के जालिम नगर चौकी की पुलिस ने कार को साइड में कराकर आवागमन बहाल कराया। लखीमपुर खीरी जिला के पलिया से एक परिवार के लोग कार से रविवार को नेपाल से अपने घर वापस आ रहे थे। कार जैसे ही मोतीपुर थाना क्षेत्र में नानपारा लखीमपुर मार्ग पर ग्राम गिरगिट्टी लोधनपुरवा के पास पंहुची कार में अचानक आगे के हिस्से में आग जल उठी। चालक ने सूझबूझ दिखाकर वाहन को साइड में किया इसके बाद सभी वाहन से नीचे कूद गए। कुछ ही देर में कार राख के ढेर में तब्दील हो गई है।

सूचना पाकर चौकी जालिमनगर की पुलिस मौके पर पहुंची। कार सवारों का बयान दर्ज किया। मार्ग पर लगे जाम को पुलिस ने हटवाया। वाहन देखने के लिए लोगों की काफी भीड़ लगी रही।

सीएचसी लक्ष्मीपुर की लैब और एनबीएसयू मिला बंद, इंजेक्शन भी खत्म

संवाददाता–महराजगंज। सख्ती के बावजूद जिले के स्वास्थ्य केंद्रों पर लोगों को त्वरित व निःशुल्क स्वास्थ्य सेवा का लाभ नहीं मिल रहा है। सीएचसी में इंजेक्शन ही नहीं हैं। डॉक्टर और स्टाफ नर्स बिना बताए ही अनुपस्थित मिल रहे हैं। सीएमओ के निरीक्षण में यह मामला सामने आया है। रविवार को सीएमओ ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लक्ष्मीपुर का जायजा लिया। जांच में सीएचसी में डोपामिन और एड्रिनलिन इंजेक्शन नहीं मिला। लैब और एनबीएसयू बंद मिला। सीएमओ ने अधीक्षक को फटकार लगाने के साथ ही अनुपस्थित कर्मचारियों से स्पष्टीकरण तलब करने का निर्देश दिया। निरीक्षण में इमरजेंसी में डॉक्टर मरीजों को देखते मिले। लेकिन वहां पर डोपमिन और एड्रिनलिन इंजेक्शन नहीं मिला। इंजेक्शन तत्काल इंडेंट करने का निर्देश दिया। इसके बाद वह लैब में पहुंचे तो लैब में ताला लटकता मिला। बीमार नवजता शिशुओं को त्वरित व बेहतर स्वास्थ्य देने के

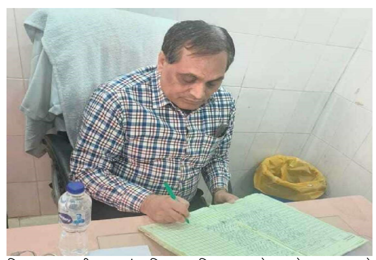

लिए बना एनबीएसयू बंद मिला। सीएमओ ने अधीक्षक से नाराजगी जताई। तीन दिन के अंदर संबंधित से स्पष्टीकरण तलब करने का निर्देश दिया। लैब और वार्ड को 24 घंटे क्रियाशील करने का निर्देश दिया। लेबर रूम में तैनात दो स्टाफ नर्स बिना बताए अनुपस्थित मिलीं। इन दोनों स्टाफ नर्स से स्पष्टीकरण तलब किया। कहा कि संतोषजनक स्पष्टीकरण नहीं मिलने पर उनके खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश दिया। इसके पहले गुरुवार को सीएमओ ने अर्बन हेल्थ सेंटर महराजगंज की जांच में फार्मासिस्ट और एएनएम सहित चार कर्मचारी अनुपस्थित मिले थे।

डॉ. श्रीकांत शुक्ला, सीएमओ ने कहा कि स्वास्थ्य केंद्रों पर बेहतर इलाज सुविधा उपलब्ध कराना है। इसमें किसी तरह की मनमानी व लापरहवाही क्षम्य नहीं होगी। चेकिंग अभियान जारी रहेगा। दोषियों के खिलाफ कार्रवाई तय है।

रिश्तेदारी में गईं दो किशोरियां फरार, मुकदमा दर्ज

संवाददाता–महराजगंज। निचलौल क्षेत्र के अलग–अलग दो गांवों में रिश्तेदारी में गईं दो किशोरियों को भगा ले जाने का मामला सामने आया है। एक मामले में आरोपी दो दिनों बाद किशोरी को वापस छोड़ गया। दोनों मामलों में पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पहली घटना में क्षेत्र के एक गांव की किशोरी को आरोपित युवक उस समय बहला–फुसलाकर भगा ले गया, जब किशोरी अपनी बुआ के घर गई थी। इस मामले में पुलिस ने युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस को दी गई तहरीर में किशोरी की मां ने बताया है कि उसकी पुत्री एक महीने पहले बगल के गांव में अपनी बुआ के घर गई थी। इस बीच उसी गांव के एक युवक से उसका सम्पर्क हो गया। युवक बहला–फुसलाकर उसे भगा ले गया। फिर दो दिन बाद वापस किशोरी को छोड़ दिया। इसकी शिकायत करने पर वह गाली देते हुए जान से मारने की धमकी दे रहा है। इस मामले में पुलिस ने आरोपित राजन के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। वहीं, दूसरी घटना में क्षेत्र के एक गांव की एक किशोरी को उसके ननिहाल से एक युवक बहला–फुसलाकर भगा ले गया। इस मामले में पुलिस ने दो लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। किशोरी के पिता ने बताया कि उसकी पुत्री एक महीने पहले अपने ननिहाल गई थी। इस बीच उसके ननिहाल का एक युवक एक अन्य शख्स के सहयोग से उसे भगा ले गया। इस मामले में पुलिस ने दीपेन्गर और एक अन्य अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

सही समय पर सही एंटीबायोटिक का करें इस्तेमाल –सीएमओ

संवाददाता–महराजगंज। विश्व रोगाणुरोधी जागरूकता सप्ताह के तहत सीएमओ सभागार में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सीएमओ डॉ. श्रीकांत शुक्ला ने कहा कि इसका मुख्य उद्देश्य अस्पतालों में एंटीबायोटिक पॉलिसी का उपयोग करना है। ताकि मरीजों में रेजिस्टेंस विकसित न होने पाए। ऐसे में सभी चिकित्सक या सीएचओ सोच समझ कर एंटीबायोटिक दवाओं का उपयोग करें। उन्होंने कहा कि विश्व रोगाणुरोधी जागरूकता सप्ताह लोगों और चिकित्सकों को रोगाणुरोधी प्रतिरोध के बारे में जागरूक करने में मदद करता है। साथ ही एंटीबायोटिक दवाओं के दुरुपयोग से बचने के लिए एंटीबायोटिक दवाओं के उपयोग के बारे में शिक्षित करता है। डिप्टी सीएमओ डॉ. वीर विक्रम सिंह ने कहा कि सेहत के लिए दवाओं का अनावश्यक उपयोग रोकना होगा। प्रायः देखा जाता है कि कुछ चिकित्सक या झोलाछाप किसी रोगों के इलाज में जानकारी के अभाव में अनावश्यक रूप से एंटीबायोटिक दवाओं का इस्तेमाल करते हैं। इसकी वजह से मरीज के ऊपर अनावश्यक रूप से आर्थिक बोझ बढ़ जाता है। साथ मरीजों की समस्याएं भी बढ़ जाती हैं। कहा कि एंटीबायोटिक के दुरुपयोग से व्यक्ति के शरीर पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। ऐसे में सभी चिकित्सक रोगाणुरोधी दवाओं का विवेकपूर्ण उपयोग करना चाहिए। कार्यक्रम को डिप्टी सीएमओ डॉ. नीरज लाल कन्नौजिया, जिला कार्यक्रम प्रबंधक नीरज सिंह ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों में उमाशंकर यादव, नेहा चौधरी, गुलिस्ता सेख, प्रद्युम्न, सुमन, रूपाली ठाकुर और मेहताब आलम आदि प्रमुख तौर पर मौजूद रहे।

रामायण मेला समिति के पदाधिकारी ने मुख्यमंत्री को किया आमंत्रित

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। अयोध्या रामायण मेला समिति के पदाधिकारी ने 43 वें रामायण मेला उद्घाटन के लिए शनिवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की और रामायण मेला शुभारंभ के लिए आमंत्रित किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या से लखनऊ पहुंचे समिति के पदाधिकारी को अंगवस्त्र ओढ़ाकर सम्मानित किया और समिति की तरफ से उपस्थित पदाधिकारी ने मुख्यमंत्री को अंग वस्त्र ओढ़ाकर स्वागत स्वागत सम्मान किया इस अवसर पर समिति के संरक्षक जगतगुरु रामदिनेशाचार्य महाराज, बड़ा भक्तमाल के महंत अवधेश दास महराज, महापौर महंत गिरीश पति त्रिपाठी, नगर आयुक्त सन्तोष कुमार शर्मा , रामायण मेला समिति के संयोजक आशीष कुमार मिश्र अपने मुख्यमंत्री से मुलाकात कर रामायण मेला उद्घाटन के लिए आमंत्रित किया।

डीएम ने सभी गौशालाओं की 28 नवंबर तक मांगी रिपोर्ट

संवाददाता–गोण्डा। जिले की डीएम ने कड़ाके की ठंड के मद्देनजर गौ–आश्रय स्थलों और कान्हा गौशालाओं में ठंड से बचाव के लिए सख्त निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि इन निर्देशों का पालन न करने पर संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

डीएम नेहा शर्मा ने अधिकारियों को सभी गौ–आश्रय स्थलों पर ठंड से बचाव के लिए अलाव जलाने की व्यवस्था अनिवार्य रूप से की जाए। इसके साथ ही पशुओं के लिए भूसे, तिरपाल, बोरी आदि से बिछावन तैयार करने और उन्हें ठंड से बचाने के लिए गर्म वातावरण उपलब्ध कराने को कहा गया है। पशुओं के खानपान पर विशेष जोर देते हुए उन्होंने हरा चारा, गुड़ और पौष्टिक आहार की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने रात के समय गौ–आश्रय

स्थलों की सुरक्षा को लेकर चौकीदार की तैनाती को भी अनिवार्य बताया। डीएम ने स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने को कहा है। उन्होंने निर्देश दिया कि गौ–आश्रय स्थलों और उनके आसपास साफ–सफाई का ध्यान रखा जाए और खुले में कचरा न फेंका जाए। सभी संबंधित अधिकारियों को आदेश दिया गया है कि इन निर्देशों का पालन सख्ती से सुनिश्चित किया जाए। व्यवस्थाओं की नियमित निगरानी की जाए।

डीएम ने स्पष्ट किया कि 28 नवंबर 2024 तक सभी व्यवस्थाओं की रिपोर्ट जिला प्रशासन को सौंपनी होगी। जिलाधिकारी नेहा शर्मा ने कहा कि ठंड के मौसम में पशुओं की सुरक्षा जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि किसी भी प्रकार की चूक पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

यूपी के लाल ने कनाडा में लहराया परचम, गिनीज बुक ऑफ द वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज हुआ नाम

संवाददाता–गोण्डा। कनाडा के टोरंटो शहर में टीसीएस ग्रुप के द्वारा हाफ मैराथन दौड़ आयोजित की गई। इसमें यूपी के गोंडा जिले के नवाबगंज कस्बा निवासी गुंजन ने भाग लिया। उन्होंने तय समय से पहले दौड़ पूरी करके विश्व रिकॉर्ड बनाया।

उनका नाम गिनीज बुक ऑफ द वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज हुआ। इससे क्षेत्र के लोगों में खुशी की लहर है। लोगों ने परिजन को बधाई दी। मां आभा भार्गव ने बताया कि बेटा गुंजन भार्गव अमेरिका के न्यू जर्सी शहर में रहकर नौकरी करता है।

बीती 20 अक्टूबर को कनाडा के टोरंटो ओनटारियो शहर में टीसीएस टोरंटो वाटरफ्रंट मैराथन की हाफ मैराथन प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। इसमें 21 किलोमीटर की दूरी को गुंजन भार्गव ने भारतीय वेशभूषा कुर्ता और धोती पहनकर दौड़ लगाई। दौड़ को तय समय से पहले 1 घंटे 33 मिनट 16 सेकेंड में पूरा कर विश्व रिकॉर्ड बनाया।

गुंजन के पिता रमाकांत भार्गव ने बताया कि 2008 में भारत से स्नातक की पढ़ाई पूरी करने के बाथ एमबीए की पढ़ाई फिलीपींस से पूरी की। इसके बाद अमेरिकन प्राइवेट कंपनी में नौकरी करने लगे। गुंजन की पत्नी शिप्रा और बेटा युवान भी अच्छे धावक हैं। इस सफलता पर सदर विधायक प्रतीक भूषण सिंह सहित क्षेत्र के लोगों ने बधाई दी है।

मानवीय गुणों के विकास से ही राम राज्य का सपना साकार होगा –पंकज बाबा

संवाददाता–बहराइच। राम राज्य का सपना साकार करने के लिए मानव–धर्म, अहिंसा, सत्य और दया जैसे मानवीय गुणों का विकास आवश्यक है। संवाददाता। राम राज्य का सपना साकार करना है तो सबको मानव–धर्म, मानव–कर्म, अहिंसा परमो धर्मः, सत्य, दया, करुणा, उदारता, परोपकार, मान सम्मान, मानव–प्रेम, समता, परस्पर सहयोग जैसे मानवीय गुणों का विकास करना पड़ेगा। देश की बिगड़ी व्यवस्थाओं को ठीक करने के लिए सत्संग और आध्यात्मिकवाद के प्रचार की नितान्त आवश्यकता है। देव दुर्लभ मानव तन अनमोल है। यह शरीर किराए का मकान है। समय पूरा होने पर खाली करना पड़ेगा। शरीर पाने का एक ही लक्ष्य है, जीते जी भगवान का भजन करके प्रभु प्राप्ति करना।बाबा जयगुरुदेव जी महाराज के उत्तराधिकारी बाबा पंकज महारज ने 108 दिवसीय यात्रा के 103 वें दिन ब्लॉक शिवपुर के ग्राम गिरदा में आयेजित सत्संग समारोह में यह विचार व्यक्त किए।

सुंडी से पिकअप के जरिए ब्रान तस्करी

संवाददाता–महराजगंज। भारत से ब्रान (धान के छिलके निकले अपशिष्ट) का नेपाल में निर्यात प्रतिबंधित है। जिसे तस्कर भुनाने में जुट गए हैं। बीते 16 नवम्बर को सोनौली कोतवाली क्षेत्र के कैथवलिया उर्फ बरगदही गांव के मुर्गा फार्म के पास से खनुआ चौकी पुलिस ने 5 बोरी ब्रान को तस्करी के आरोप में पकड़ा। नौतनवां थाना क्षेत्र के सुंडी, आराजी सरकार उर्फ बैरियहवा व बोगडी घाट से प्रतिदिन करीब 100 से 200 पिकअप ब्रान नेपाल भेजे जा रहे हैं। जिसे नेपाल में सुअर पालन, मत्स्य पालन, मुर्गा पालन में चारे के अलावा तेल बनाने में भी प्रयुक्त किए जा रहे हैं। एसएसबी , पुलिस व कस्टम विभाग द्वारा नित नए तस्करी पर प्रभावी रोक न लगाने व छिटपुट बरामदगी कर अपना दामन बचाऊ कोरम की खानापूर्ति पर सीमाई गांवों के लोग सवाल खड़े कर रहे हैं। उप जिलाधिकारी नौतनवा नवीन प्रसाद ने बताया कि मामला संज्ञान में नहीं है।

तकनीक से भागे नहीं बल्कि इसके सापेक्ष खुद को करें तैयार -सीएम योगी

संवाददाता—गोरखपुर। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के तीन दिवसीय 70वें राष्ट्रीय अधिवेशन के समापन दिवस पर सीएम योगी ने कहा कि हम विज्ञान तकनीकी से भागेंगे तो समय के साथ नहीं चल पाएंगे। नब्बे के दशक में कम्प्यूटरीकरण का विरोध हो रहा था और आज उससे भी आगे ई—ऑफिस का दौर आ गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ज्ञानवान और शीलवान बनने के साथ विज्ञान—तकनीकी के अनुकूल होकर समय के प्रवाह की गति को समझना अपरिहार्य है। समय के प्रवाह की दुर्गति से बचने के लिए जरूरी है कि हम विज्ञान और तकनीकी से भागें नहीं, बल्कि इसके सापेक्ष खुद को तैयार करें। सीएम योगी रविवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के तीन दिवसीय 70वें राष्ट्रीय अधिवेशन के समापन दिवस पर एक विशेष सत्र को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने ट्रेनिंग एंड एजुकेशनल सेंटर फॉर हियरिंग इम्पेयर्ड (टीच) ठाणे, मुंबई के सह संस्थापक दीपेश नायर को प्रोफेसर यशवंतराव केलकर युवा पुरस्कार से सम्मानित किया।

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित अधिवेशन में मुख्यमंत्री ने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि हम विज्ञान तकनीकी से भागेंगे तो समय के साथ नहीं चल पाएंगे। नब्बे के दशक में कम्प्यूटरीकरण का विरोध हो रहा था और आज उससे भी आगे ई— ऑफिस का दौर आ गया। पूरी दुनिया एक स्मार्टफोन में आ चुकी है। समय के साथ टेक्नोलॉजी बढ़ती गई। बिजली, टेलीफोन, टेलीविजन, हवाई जहाज, इंटरनेट, जीपीएस जैसी तकनीकी विरोध झेलकर आगे बढ़ती गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि समाज और राष्ट्र के प्रति कल्याणकारी सोच का युवा विज्ञान और तकनीकी से जुड़ेगा तो स्वयं को समाज और राष्ट्र को मजबूत बनाएगा।

योगी ने युवाओं को मंत्र दिया कि हमें तामसिक मानसिकता का शिकार नहीं बनना है लेकिन खुद की प्रासंगिकता को बनाए रखते हुए तकनीकी से जुड़कर आगे बढ़ते रहना है। सीएम ने कहा कि तकनीकी जब अच्छे लोगों के हाथ में होती है तब वह लोक और राष्ट्र कल्याण का माध्यम बनती है। पर, जब तकनीकी नकारात्मक लोगों के हाथ में जाएगी तो आतंकवाद और विध्वंसात्मक ताकतों को बढ़ावा मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें ध्यान रखना होगा कि तकनीक के इस्तेमाल के बीच मनुष्यता नहीं मिटनी चाहिए।

मुख्यमंत्री ने प्रो. यशवंतराव केलकर पुरस्कार से सम्मानित दीपेश नायर के कार्यों के बहाने मूक बधिर बच्चों के राष्ट्रविरोधी धर्मांतरण से जुड़ा एक वाकया भी सुनाया। बताया कि 2019 में एक मंदिर में संत की हत्या की साजिश के लिए छद्म नाम से जा रहे दो युवकों के पकड़े जाने के बाद कराई गई सख्त जांच में पता चला कि दोनों युवकों का संबंध दिल्ली के बाटला हाउस से जुड़े एक धर्म उपदेशक से था। जांच में यह बात सामने आई की वहां से एक बड़ा रैकेट संचालित हो रहा था जो मूक बधिर बच्चों को टारगेट कर उनका धर्मांतरण कर रहा था। मुख्यमंत्री ने बताया कि इस मामले में तीन महापुरुष धर्मांतरण करने वाले धर्म उपदेश समेत 7 लोगों को न्यायालय ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है।

इस प्रकरण को बताने के साथ ही मुख्यमंत्री ने कहा कि आपके बीच कुछ ऐसे छिपे लोग हैं जो छद्म रूप से राष्ट्रविरोधी धर्मांतरण कर रहे हैं। यह सेवा की सौदेबाजी है। इस पर लगाम लगाना सिर्फ सरकार या किसी संगठन का नहीं बल्कि प्रत्येक जागरूक नागरिक का दायित्व है। उन्होंने कहा कि दीपेश नायर जैसे लोग मूक बधिर बच्चों के लिए शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार कर ऐसा ही कार्य कर रहे हैं। ऐसे लोगों ने धर्मांतरण को बढ़ावा देने की साजिश को ब्रेकर दिया है। एक लक्ष्मण रेखा बनाई है।

अब मोती पोखरा को पिकनिक स्पॉट के रूप में विकसित करने की तैयारी

संवाददाता—गोरखपुर। नगर आयुक्त गौरव सिंह सोगरवाल ने रविवार को बशारतपुर स्थित मोती पोखरा का निरीक्षण कर प्रसन्नता व्यक्त किया। साउथ अफ्रीका में तालाब और पोखरों के जल को शोधित कर स्वच्छ बना रही गुजरात की कंपनी वेलिएंट इंटैक प्राइवेट लिमिटेड खुद के खर्चे पर दशकों से गंदे पड़े मोती पोखरा के जल को स्वस्थ बना दिया है।

नगर आयुक्त गौरव सिंह सोगरवाल ने साथ आए मुख्य अभियंता संजय चौहान को पोखरे का सुंदरीकरण करने के निर्देश दिए। संजय चौहान को निर्देशित किया कि पोखरा के चारों तरफ सीढ़िया बना चाहदीवारी की जाए। पीपीपी मॉडल कर किसी एजेंसी से इसे पिकनिक स्पॉट की रह विकसित कराएं। ताकि यहां फूड कोर्ट के साथ बोटिंग का भी आनंद उठा सके। नगर आयुक्त ने अपर नगर आयुक्त निरंकार सिंह को पोखरे की पैमाइश करा अतिक्रमण को चिन्हित कर हटाने के निर्देश भी दिए। मुख्य अभियंता संजय चौहान और वेलिएंट इंटैक प्राइवेट लिमिटेड के प्रतिनिधि ने अधिकारियों को बताया कि 24 सितंबर को मोती पोखरे पर काम शुरु किया। फर्म की पेटेंट तकनीक,'आर.ई.जी.ए.एल यानी रेडिकल एन्हांसमेंट यूसिंग गैस असिस्टेड लिक्विड डिस्पर्सन का इस्तेमाल कर सिर्फ मोती पोखरा को इतना साफ कर दिया कि तल दिखने लगा। तालाब में बीओडी (जैव रासायनिक ऑक्सीजन मांग) 65 से घट कर 09 पीपीएम और सीओडी (रासायनिक ऑक्सीजन मांग) 170 से घट कर 10.1 पीपीएम और अमोनिया की मात्रा भी खतरनाक स्तर 1.8 पीपीएम से घट कर 0.01 पीपीएम रह गई है। एनएबीएल की लैब रिपोर्ट्स के मुताबिक शुरुआत में जहां झील में घुलनशील आक्सीजन की मात्रा 27 डिग्री सेंटीग्रेट पर 5.3 पीपीएम मिली थी, ताजा रिपोर्ट में बढ़ कर 9.8 पीपीएम हो गई।

वेलिएंट इंटैक प्राइवेट लिमिटेड के सीईओ परम देसाई के मुताबिक दशकों पुराने पोखरे में नैनो बबल्स की शक्ति, उत्प्रेरक के रूप में अल्ट्रासाउंड और फ्री रेडिकल्स का उपयोग किया जा रहा। अल्ट्राउंड मशीन से 20 हजार से 30 हजार मेगा हर्त्ज की ध्वनियां पोखरे के जल में उत्पन्न कर ई—कोलाई बैक्टीरिया के सेल को क्षतिग्रस्त कर रहे। निरंतर चलने वाली इस प्रक्रिया से ई—कोलाई मृत हो जाते हैं। दूसरी ओर नैनो बबल तकनीक का 'एरेटर की मदद से इस्तेमाल जारी है। एरेटर कोरोना वायरस से भी छोटे—छोटे बुलबुलों की मदद से आक्सीजन पानी के तल तक पहुंचाता है। इससे जल में आक्सीजन की मात्रा में बढ़ोत्तरी के साथ लाभकारी बैक्टीरिया को पनपने और खुद को तेजी से विस्तारित करने में सफलता मिलती है। लाभकारी बैक्टीरिया पोखरे के तल में जमा गंदगी (सीओडी एवं बीओडी) को भोजन के रूप में इस्तेमाल करते हैं जिससे पोखरे की सफाई होने के साथ जल का घनत्व भी बढ़ जाता है। इस कारण तल में जमा प्लास्टिक भी आदि ऊपर आने लगा है जिसे छाना जा रहा। इन क्रियाओं से पोखरा के जल में फ्री—रेडिकल्स (मुक्त कण) का निर्माण होता है। इन फ्री—रेडिकल्स के बाहरी आवरण में कम से कम एक अयुग्मित इलेक्ट्रॉन होता है। एक और इलेक्ट्रान प्राप्त करने या दान करने की तलाश में ये फ्री रेडिकल्स अत्यधिक प्रतिक्रियाशील और अस्थिर होते हैं जिसे पोखरा की सफाई में मदद मिलती है।...और आक्सीजन का पोखरे में तेजी से विस्तार होता है।

चलती ट्रेन में अटकी बुजुर्ग की सांस, टीटीई ने सीपीआर देकर बचाई जान

संवाददाता—गोरखपुर। आम्रपाली एक्सप्रेस के स्लीपर कोच में यात्रा कर रहे 70 वर्षीय बुजुर्ग की छपरा स्टेशन से पहले अचानक तबीयत बिगड़ गई और वह अचेत हो गए। पत्नी ने मदद की गुहार लगाई तो टिकट जांच कर रहे टिकट निरीक्षकों राजीव कुमार और मनमोहन वहां पहुंचे और सीपीआर देकर उनकी जान बचा ली। ट्रेन के छपरा पहुंचने पर बुजुर्ग की स्टेशन पर मेडिकल टीम ने जांच की और उनकी हालत ठीक होने पर उन्हें हाजीपुर पहुंचाया गया। अमृतसर से कटिहार जा रही आम्रपाली एक्सप्रेस (15708) में 70 वर्षीय उमेश दास पत्नी के साथ यात्रा कर रहे थे। ट्रेन के सीवान से आगे बढ़ने के कुछ देर बाद कटिहार से हाजीपुर जा रहे उमेश ने पत्नी से सीने में दर्द की शिकायत की और सीट पर लेटने लगे। साथ में यात्रा कर रहे अन्य यात्रियों ने उनके दर्द का कारण समझने का प्रयास किया, तब तक उनकी सांस तेज चलने लगी। उनकी हालत देख पत्नी चिल्लाते हुए मदद की गुहार लगाने लगी। उनकी आवाज सुन टीटीई राजीव कुमार और मनमोहन कुमार पहुंच गए।

बुजुर्ग की स्थिति देख दोनों ने बिना समय गंवाए सीपीआर और माउथ—टू—माउथ ऑक्सीजन सपोर्ट देना शुरू किया। करीब पांच मिनट तक लगातार कोशिश के बाद यात्री की स्थिति में सुधार दिखना शुरू हो गया और उन्होंने अपनी आंखें खोल दीं और उठकर बैठ गए। कोच में मौजूद सवारियों ने टीटीई के प्रति आभार जताया।

ट्रेन के छपरा पहुंचने के बाद डॉक्टरों की टीम ने उसकी जांच की और उनकी हालत में सुधार देखते हुए उसी ट्रेन से उन्हें हाजीपुर रवाना कर दिया गया।

पूर्वोत्तर रेलवे ने अपने कर्मचारियों को यात्री सेवा कार्यों में निपुण बनाने के साथ ही कार्य क्षमताओं को विकसित करने हेतु 'कर्मयोगी मॉड्यूल' में प्रशिक्षित किया है। सीपीआरओ पंकज कुमार सिंह ने कहा कि इस प्रशिक्षण का नतीजा था कि जैसे ही खबर मिली तो टिकट निरीक्षकों ने बिना देर किए कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन (सीपीआर) देकर बुजुर्ग यात्री का जीवन बचा लिया।

भाजपा की जीत पर हनुमान चालीसा का पाठ

संवाददाता—गोरखपुर। उत्तर प्रदेश में विधानसभा उपचुनाव में 7 सीट के साथ महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में भाजपा की प्रचंड जीत को लेकर विश्व हिन्दू परिषद ने गोलघर के काली मंदिर पर रामचरित मानस पाठ का आयोजन किया। वक्ताओं ने कहा कि यूपी में तेजस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और पीएम नरेन्द्र मोदी के नीतियों के चलते भाजपा को प्रचंड जीत मिली है। इस अवसर पर विश्व हिंदू महासंघ की जिला प्रभारी और उत्तर प्रदेश सराफा व्यापार संगठन के अध्यक्ष राधाकांत वर्मा ने कहा कि आज भारत के हिंदू राष्ट्र होने की आवश्यकता है। भारत में जितने भी धर्मगुरु हैं, सब हिंदू राष्ट्र की मांग कर रहे हैं। भारत को हिंदू राष्ट्र बनाने को लेकर योगी आदित्यनाथ का नारा बंटेंगे तो कटेंगे सफल हुआ तो वहीं प्रधानमंत्री के नारे एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे की स्वीकार्यता मिली। यह सफलता हिन्दू राष्ट्र की तरफ अहम कदम है। इस दौरान बृजमोहन वर्मा, विजय अग्रहरी, सदन प्रसाद, शिव वर्मा, सुनील पटवा, निर्भय वर्मा, शुभम वर्मा, सुनील, सुदीप पांडे, सुरेंद्र सराफ, शक्ति मोहन आदि उपस्थित रहे।

पिकअप पेड़ से टकराई एक पशु की मौत

संवाददाता—संतकबीरनगर। संतकबीरनगर जिले के कोतवाली खलीलाबाद अंतर्गत मीरगंज नेशनल हाईवे पर पशुओं से भरी पिकअप गाड़ी एक पेड़ से टकरा गई। दुर्घटना के बाद चालक गाड़ी छोड़कर मौके से फरार हो गया। इस दौरान दम घुटने से एक गोवंश की मौत हो गई तो दूसरे की हालत नाजुक है। ग्रामीणों के सहयोग से दो गोवंशियों को पिकअप से उतर गया। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर पिकअप गाड़ी को अपने कब्जे में ले लिया है। स्थानीय लोगों ने बताया कि रात में पिकअप पेड़ से कब टकराई, इसकी किसी को जानकारी नहीं है। सुबह जब लोगों ने देखा तब तक एक पशु की मौत हो गई थी और एक गंभीर रूप से घायल है। सूचना पुलिस को दी गई।

गौ रक्षा प्रकोष्ठ के बस्ती मंडल प्रभारी श्याम नारायण तिवारी भी मौके पर पहुंचकर मदद में जुट गए। पशुओं को रस्सी के सहारे इतनी बेरहमी से बांधा गया था इसलिए रस्सी काटने में भी करीब एक घंटे का समय लगा। रस्सी कटते ही दो गोवंश भाग गए।

पोस्टर और क्विज प्रतियोगिता में एचआर इंटर कालेज के छात्र अव्वल

संवाददाता—संतकबीरनगर। संतकबीरनगर जिले के एचआर इंटर कालेज के छात्र पर्यावरण और स्वस्थ जीवन पर हुई पोस्टर और क्विज प्रतियोगिता में अव्वल रहे। पोस्टर प्रतियोगिता के निर्णायक उदयभान सिंह, प्रवक्ता कला हीरालाल रामनिवास इंटर कॉलेज तथा रवींद्र चौरसिया, प्रधानाचार्य नेहरू कृषक इंटर कॉलेज थे। प्रतियोगिता का प्रथम पुरस्कार हीरालाल रामनिवास इंटर कॉलेज सुकृति मणि त्रिपाठी को मिला।

द्वितीय पुरस्कार पीबी गर्ल्स इंटर कॉलेज की गौसिया नूर को व तृतीय पुरस्कार जीआईसी बनौली के अमित मौर्य को मिला। दूसरी प्रतियोगिता क्विज की हुई। इसके निर्णायक शोध छात्र डॉ. दिवाकर शुक्ला प्रवक्ता, वनस्पति विज्ञान और डॉ. अभिषेक कुमार सिंह प्रवक्ता, हीरालाल रामनिवास इंटर कॉलेज रहे। क्विज में प्रथम स्थान हीरालाल रामनिवास इंटर कॉलेज के अव्या पांडे, सूर्यांश पाठक, आयुष सिंह की टीम को मिला। द्वितीय स्थान सरस्वती विद्या मंदिर की टीम को व तृतीय स्थान गन्ना विकास इंटर कॉलेज की टीम को मिला। विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

दिल्ली—मुंबई उड़ान के लिए स्पाइस जेट फिर गोरक्षनगरी म

संवाददाता—गोरखपुर। विमानन कंपनी स्पाइस जेट दिसंबर से गोररखपुर से दोबारा उड़ान शुरू करने जा रही है। एक फरवरी से स्पाइस जेट एयरलाइंस ने ऑफिस बंद कर अयोध्या शिफ्ट कर दिया था। अब फिर से दिल्ली और मुंबई उड़ान के लिए कंपनी ने अपना शेड्यूल जारी कर दिया है। स्पाइस जेट कंपनी के मैनेजर ने बताया कि पांच दिसंबर से नियमित उड़ान होगी। इसके लिए बुकिंग शुरू कर दी गई है। स्पाइस जेट के आने से दिल्ली के लिए किराए में प्रतिस्पर्धा होगी। संभावना जताई जा रही है। नई कंपनी अकासा कुछ महीनों तक यात्रियों को आकर्षित करने के लिए अन्य कंपनियों की तुलना में किराया कुछ कम रखे। स्पाइस जेट के दोबारा आ जाने से गोरखपुर एयरपोर्ट पर चार कंपनियां हो जाएंगी। वर्तमान में यहां से इंडिगो, अकासा और एलायंस एयर की सेवाएं हैं। अब जब स्पाइस जेट यहां दोबारा आ जाएगी तो चार कंपनियों की उड़ानें हो जाएंगी। इससे गोरखपुरवासियों के पास दिल्ली और मुंबई जाने का विकल्प बढ़ जाएगा। फ्लाइट के फेयर भी सस्ता होगा।

इजराइल में 1 लाख 37 हजार 500 रुपया महीना वाली नौकरी में फंसे कई युवक

संवाददाता—गोरखपुर। बलिया में इजराइल भेजने के नाम पर एक फर्जी एजेंसी के करीब 300 युवकों से करोड़ों की ठगी के मामले में पुलिस ने अलग—अलग दो और मुकदमा दर्ज किया है। शनिवार रात पुलिस ने गोरखपुर और देवरिया जिले के दो युवकों की तहरीर के आधार पर कार्रवाई की है। इसमें आठ नामजद और कुछ अज्ञात आरोपी हैं। पुलिस अब तक तीन आरोपियों को पकड़ चुकी है। दरअसल हाल ही में सरकार ने एक बार फिर पांच हजार श्रमिकों को इजराइल भेजने की बात कही थी। श्रम एवं सेवायोजन मंत्री अनिल राजभर ने कहा था कि 1.38 लाख रुपये सैलरी पर जल्द ही छह हजार युवाओं को इजराइल भेजा जाएगा। सोशल मीडिया प्लेटफार्म फेसबुक, इंस्टाग्राम और एमडी जॉब्स ऐप पर शिवी इंटरनेशल प्राइवेट लिमिटेड नाम की कंपनी विदेश (इजराइल) में नौकरी दिलाने का प्रचार—प्रसार कर रही थी। सैकड़ों युवकों ने दिए गए मोबाइल नंबरों पर बात की। कंपनी ने युवकों से उनका ब्योरा और कागजात मंगवाए। इसके बाद बलिया शहर के टाउन हाल रोड पर स्थित कंपनी के ऑफिस पर पहुंचे प्रत्येक युवक से कंपनी के कर्मचारियों ने दो से ढाई लाख रुपये ऑनलाइन ले लिया और फर्जी वीजा तथा एयर टिकट थमा दिया। इसका खुलासा होने के बाद से ही बेरोजगार युवक परेशान हैं। इस मामले में 9 नवंबर को पश्चिम बंगाल के नादिया जिले के रहने वाले गौतम मंडल ने मुकदमा पंजीकृत कराया था। शिवी इंटरनेशनल प्रावि के तीन कर्मचारियों रसड़ा कोतवाली क्षेत्र के गुरगुजपुर निवासी सचिन, रघुनाथपुर निवासी अनिल तथा गड़वार थाना क्षेत्र के विशुनपुरा निवासी जितेंद्र को 11 नवंबर को पुलिस गिरफ्तार कर चुकी है। तीनों आरोपी सभी मुकदमों में नामजद हैं।

विदेश भेजने के नाम पर ठगी करने वालों पर गोरखपुर के पिपराईच थाना क्षेत्र के जंगल आराजी छत्रधारी मिश्रवलिया निवासी सुग्रीव ने तहरीर दी है। बताया है कि सोशल मीडिया के जरिये शिवी इंटरनेशल प्राइवेट लिमिटेड के कर्मचारियों से सम्पर्क हुआ। उनके खाते में एक लाख रुपये भेज दिया। चार नवंबर को उन्होंने इजराइल के लिए फर्जी वीजा और एयर टिकट दे दिया। सुग्रीव के अनुसार, उसके साथ सिवान (बिहार) के नौतन थाना क्षेत्र सागरा निवासी अमरजीत कुशवाहा, गोपालगंज (बिहार) उचका थाना क्षेत्र के मकसूद निवासी दीपक श्रीवास्तव व विजयपुर थाना क्षेत्र के बेलवा निवासी विद्याचंद प्रसाद, देवरिया जनपद के महुआडीह थाना क्षेत्र के हेतीमपुर मठिया निवासी हरिलाल भारती, रामकुमार सिंह, मदनपुर थाना क्षेत्र के समुगर निवासी अनिल तथा दिलबहार व सुरौली थाना क्षेत्र के विंदवलिया निवासी कैलाश बिंद, भोजपुर (बिहार) के शाहपुर थाना क्षेत्र के करीमन ठाकुर के डेरा निवासी मनी यादव, रसड़ा के कुरेम निवासी शैलेंद्र चौहान, परसिया निवासी सत्यप्रकाश चौहान, बक्सर (बिहार) के ब्रह्मपुर थाना क्षेत्र के चंद्रपुरा निवासी सुनील यादव शामिल थे। सभी ने 25 हजार से 1.50 लाख रुपये तक कंपनी को दिए हैं।

इजराइल भेजने के नाम पर ठगी के शिकार देवरिया के महुआडीह थाना क्षेत्र के हेतिमपुर मठिया निवासी संजीव गुप्ता ने भी तहरीर दी है।

छात्रों के जागरूक होने से घर तक पहुंचेगा संदेश

संवाददाता—संतकबीरनगर। संतकबीरनगर जिले के समग्र शिक्षा माध्यमिक धर्मेंद्र मिश्र ने कहा कि किसी भी लक्ष्य की प्राप्ति के लिए छात्रों व युवाओं को जागरूक किया जाना चाहिए। इससे इसका संदेश लोगों के घरों तक पहुंचेगा। परिवार के सदस्य भी जागरूक होंगे। वह स्वच्छ पर्यावरण और स्वस्थ जीवन पर एक दिवसीय वैज्ञानिक जागरूकता कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम का शुभारंभ धर्मेन्द्र मिश्र ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम छात्रों में जागरूकता लाने और समाज में सकारात्मक बदलाव का माध्यम बनते हैं। प्रोफेसर डॉ. एके द्विवेदी अध्यक्ष वनस्पति विज्ञान विभाग दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय तथा डॉ. रचना यादव सीएचसी खलीलाबाद थीं। प्रो. द्विवेदी ने स्वच्छ पर्यावरण पर व्याख्यान प्रस्तुत किया, जबकि डॉ. रचना यादव ने स्वस्थ जीवन पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि अपने आहार और व्यवहार से अपने स्वास्थ्य को सही रख सकते हैं।

कार्यक्रम की समन्वयक निशा यादव ने कहा कि स्वच्छ पर्यावरण और स्वस्थ जीवन के संदेश को समाज के हर वर्ग तक पहुंचाने के उद्देश्य से इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इसका उद्देश्य छात्र—छात्राओं में वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास करना है। कार्यक्रम के सहसंयोजक डॉ. अभिषेक कुमार सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया। कहा यह आयोजन हमें पर्यावरण संरक्षण और स्वस्थ जीवन की दिशा में सामूहिक प्रयास करने की प्रेरणा देता है। संचालन प्रदीप तिवारी ने किया।

अयोध्याः 40 ब्राह्मण कराएंगे सीताराम का विवाह, 51 तीर्थों के जल से होगा श्रीसीताराम का अभिषेक

संवाददाता—अयोध्या। रामनगरी रामबरात की तैयारी में लीन है। रामबरात 26 नवंबर की सुबह नौ बजे कारसेवकपुरम से प्रस्थान करेगी। रामबरात को लेकर रथ सजाने में कारसेवकपुरम में 10 कारीगर जुटे हुए हैं। श्रीसीताराम का विवाह संपन्न कराने के लिए तिरुपति से 40 वैदिक ब्राह्मण भी आ रहे हैं। ये वैदिक ब्राह्मण सीधे जनकपुर पहुंचेंगे और श्रीसीताराम का विवाह संपन्न कराएंगे। अयोध्या से लेकर जनकपुर तक विवाह की तैयारियां ऐसी हैं कि त्रेतायुग के रामबरात की स्मृति जीवंत हो उठेगी।

रामचरित मानस के बालकांड में वर्णित चौपाई भी जीवंत हो रही है। रथ सारथिन्ह बिचित्र बनाए, ध्वज पताक मनि भूषन लाए, चवंर चारु किंकिनि धुनि करहीं। भानु जान सोभा अपहरहीं...सारथियों ने ध्वजा, पताका, मणि और आभूषणों को लगाकर रथों को बहुत विलक्षण बना दिया है। उनमें सुंदर चंवर लगे हैं और घंटियां सुंदर शब्द कर रही हैं। वे रथ इतने सुंदर हैं, मानो सूर्य के रथ की शोभा को छीने लेते हैं। कुछ इसी तरह से रामबरात लेकर जाने वाले रथ भी सज रहे हैं। कोई रथों के मंडप को आकार दे रहा है तो कोई मंडप पर कलश सजाने में जुटा है।

रामबरात की तैयारी देख रहे विहिप के केंद्रीय मंत्री राजेंद्र सिंह पंकज मौके स्वयं मौजूद रहकर तैयारियों की प्रगति देख रहे हैं।उन्होंने बताया कि इस बार की रामबरात कई मायनों में खास होने वाली है। अयोध्या से लेकर जनकपुर तक उल्लास छाया है। यह रामबरात 2004 से पांच वर्ष के अंतराल पर जाती रही है, लेकिन इस वर्ष रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद पहली रामबरात के चलते उत्साह कई गुना अधिक है। बरात कारसेवकपुरम में महायज्ञ की परिक्रमा करते हुए मणिरामदास की छावनी से लता चौक होते हुए प्रस्थान करेगी। वशिष्ठ की भूमिका में महंत डॉ. रामेश्वर दास वैष्णव शामिल होंगे। इसके अलावा महंत कमल नयन दास सहित 50 से अधिक साधु—संत बराती के रूप में शामिल होंगे।

राजेंद्र सिंह पंकज ने बताया कि अयोध्या से चार रथ जाएंगे। एक रथ में देश के 51 तीर्थों का जल होगा, इस रथ का नाम तीर्थ रथ होगा। दो रथ में भगवान के चारों भाईयों के स्वरूप रहेंगे, वे धर्मरथ कहलाएंगे। चौथे रथ में श्रीसीताराम की विवाह मूर्तियां रहेंगी, जो कल्याण महामहोत्सव रथ होगा। इन विवाह मूर्तियों का 51 तीर्थों के जल से अभिषेक भी होगा। जनकपुर में कलेवा के बाद सीता राम की विवाह मूर्ति का भव्य अभिषेक किया जाएगा। पहली बार कल्याण महामहोत्सव का आयोजन हो रहा है।

रामबरात में 17 प्रांतों के बराती शामिल होंगे। विहिप के केंद्रीय मंत्री ने बताया कि दक्षिण भारत के चारों प्रांतों आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु के अलावा बरात में मध्यप्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़ व महाराष्ट्र सहित उत्तरप्रदेश के विभिन्न जिलों से बराती शामिल होंगे। बताया कि अब तक 150 से अधिक लोगों का रजिस्ट्रेशन हो चुका है। बरात अयोध्या से छोटे स्वरूप में निकलेगी लेकिन जनकपुर पहुंचते—पहुंचते यह बड़ा स्वरूप धारण कर लेगी। रास्ते में भी बराती शामिल होंगे। बरातियों की संख्या 500 से अधिक होने की संभावना है। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन सिंह यादव व संघ प्रमुख मोहन भागवत भी बरात में शामिल हो सकते हैं।

जनकपुर वासियों के लिए अयोध्या से महाकाल व रामलला का प्रसाद भी जा रहा है। मध्यप्रदेश सरकार की ओर से महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति ने 1,11,111 लड्डू प्रसाद स्वरूप अयोध्या भेजा है। शनिवार की देर रात ट्रक से यह लड्डू अयोध्या पहुंचा है। विवाह के बाद जनकपुर में यह प्रसाद स्वरूप सभी को बांटा जाएगा।

वृद्धा के हत्यारों का सुराग लगाने में जुटी पुलिस

संवाददाता—संतकबीरनगर। संतकबीरनगर जिले की खलीलाबाद खलीलाबाद कोतवाली पुलिस शहर के मोहिद्दीनपुर की रहने वाली वृद्धा रामराजी देवी के हत्यारों का सुराग तलाश रही है। सीसीटीवी कैमरे व आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है। रामराजी देवी की मौत की वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट में गला घोंटने से होना आया है। पीड़ित बेटे ने अज्ञात के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कराया। मां की हत्या नशेड़ियों द्वारा किए जाने की आशंका जाहिर की। नगर पालिका खलीलाबाद क्षेत्र के मोहिद्दीनपुर निवासी पीड़ित बेटे राम चंदर पुत्र स्वर्गीय तोखई का आरोप है कि 21 नवंबर की शाम आठ बजे उसकी 80 वर्षीय मां रामराजी देवी मोहल्ले के मकान से रोज की भांति खाना खाकर घर से करीब 300 मीटर दक्षिण खेत में बने छप्पर में सोने गई थी। मां रात में छप्पर में चारपाई पर सो रही थी। 22 नवंबर की सुबह को जाकर देखा गया तो वह मृत अवस्था में पड़ी थी। उसके गले पर गला दबाने से जैसा निशान दिखाई दे रहा था। ऐसा लग रहा था कि किसी ने उसकी गला दबा कर हत्या कर दी है। कोतवाल सतीश सिंह ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत की वजह गला घोटने से होना आया है। पीड़ित बेटे रामचंदर की तहरीर पर अज्ञात के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर लिया गया है। हत्यारों का सुराग लगाने के लिए जगह—जगह सीसीटीवी फुटेज देखा जा रहा है।

दैनिक
भारतीय बस्ती
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक—दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक—प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या—फैजाबाद कार्यालय—
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट
अयोध्या—फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय—
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय—
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com